



सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की

खण्ड-23] रुड़की, शनिवार, दिनांक 13 अगस्त, 2022 ई0 (श्रावण 22, 1944 शक सम्वत्) [संख्या-33

विषय-सूची

प्रत्येक भाग के पृष्ठ अलग-अलग दिये गए हैं, जिससे उनके अलग-अलग खण्ड बन सकें

विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक चन्द्रा
		रु0
सम्पूर्ण गजट का मूल्य ...	—	3075
भाग 1—विज्ञप्ति—अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस ...	649—655	1500
भाग 1—क—नियम, कार्य-विधियां, आज्ञाएं, विज्ञप्तियां इत्यादि जिनको उत्तराखण्ड के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया ...	693—698	1500
भाग 2—आज्ञाएं, विज्ञप्तियां, नियम और नियम विधान, जिनको केन्द्रीय सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों ने जारी किया, हाई कोर्ट की विज्ञप्तियां, भारत सरकार के गजट और दूसरे राज्यों के गजटों के उद्धरण ...	—	975
भाग 3—स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड़-पत्र, नगर प्रशासन, नोटीफाइड एरिया, टाउन एरिया एवं निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा पंचायतीराज आदि के निदेश जिन्हें विभिन्न आयुक्तों अथवा जिलाधिकारियों ने जारी किया ...	—	975
भाग 4—निदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड ...	—	975
भाग 5—एकाउन्टेन्ट जनरल, उत्तराखण्ड ...	—	975
भाग 6—बिल, जो भारतीय संसद में प्रस्तुत किए गए या प्रस्तुत किए जाने से पहले प्रकाशित किए गए तथा सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट ...	—	975
भाग 7—इलेक्शन कमीशन ऑफ इण्डिया की अनुविहित तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी विज्ञप्तियां ...	—	975
भाग 8—सूचना एवं अन्य वैयक्तिक विज्ञापन आदि ...	345—389	975

भाग 1

विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस

सचिवालय प्रशासन (अधि०) अनुभाग-1

प्रोन्नति/विज्ञप्ति

07 जुलाई, 2022 ई०

संख्या 862/XXXI(1)/2022/पदो०-01/2020-उत्तराखण्ड सचिवालय संवर्ग के अन्तर्गत अनुभाग अधिकारी के पद पर कार्यरत श्रीमती कमलेश जोशी को नियमित चयनोपरान्त अनु सचिव, वेतन लेवल-11 के रिक्त पद पर कार्यभार ग्रहण किये जाने की तिथि से अस्थाई रूप से पदोन्नत करने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- 2- उक्त पदोन्नति के फलस्वरूप श्रीमती कमलेश जोशी को 01 वर्ष की विहित परीक्षा पर रखा जाता है।
- 3- उक्त प्रोन्नति मा० उच्च न्यायालय, नैनीताल में योजित रिट याचिका संख्या-394 (एस०बी०)/2021 ललित मोहन आर्य व अन्य बनाम उत्तराखण्ड राज्य व अन्य में पारित होने वाले अंतिम निर्णय के अधीन रहेगी।
- 4- अनुसचिव के पद पर पदोन्नत होने वाले उक्त अधिकारी की तैनाती आदेश पृथक से निर्गत किये जायेंगे।

आज्ञा से,

राधा रतूडी,

अपर मुख्य सचिव।

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा अनुभाग-5

अधिसूचना

14 जुलाई, 2022 ई०

संख्या 402/XXVIII(5)/22-63/2010-राज्यपाल भारत का संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उत्तराखण्ड चिकित्सा शिक्षा सेवा नियमावली, 2014 में अग्रेतर संशोधन करने की दृष्टि से निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं, अर्थात :-

उत्तराखण्ड चिकित्सा शिक्षा सेवा (संशोधन) नियमावली, 2022

- | | | |
|---------------|---|---|
| संक्षिप्त नाम | 1 | (1) इस नियमावली का संक्षिप्त नाम उत्तराखण्ड चिकित्सा शिक्षा सेवा (संशोधन) नियमावली, 2022 है |
| और प्रारम्भ | | (2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगी। |

नियम 10 2 उत्तराखण्ड चिकित्सा शिक्षा सेवा नियमावली, 2014 में नीचे स्तम्भ 1 में दिये गये विद्यमान नियम का संशोधन 10 की तालिका के स्थान पर स्तम्भ 2 में दी गयी तालिका रख दी जाएगी, अर्थात् :-

स्तम्भ-1
विद्यमान तालिका

क्र०सं०	पद का नाम	न्यूनतम आयु	अधिकतम आयु
1	प्रोफेसर	30 वर्ष	50 वर्ष
2	एसोसिएट प्रोफेसर	30 वर्ष	50 वर्ष
3	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	30 वर्ष	45 वर्ष

स्तम्भ-2
एतद्वारा प्रतिस्थापित तालिका

क्र०सं०	पद का नाम	न्यूनतम आयु	अधिकतम आयु
1	प्रोफेसर	30 वर्ष	—
2	एसोसिएट प्रोफेसर	30 वर्ष	—
3	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	30 वर्ष	45 वर्ष

आज्ञा से,

राधिका झा,
सचिव।

In pursuance of the provisions of clause (3) of article 348 of 'the Constitution of India', the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of Notification No.402/XXVIII(5)/2022-63/2010, Dehradun dated July 14, 2022 for general information.

NOTIFICATION

July 14, 2022

No.402/XXVIII(5)/2022-63/2010-In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution of India the Governor is pleased to make the following rules with a view to amend the Uttarakhand Medical Education Service Rules, 2014, namely :-

The Uttarakhand Medical Education Service (Amendment) Rules, 2022

Short title and commencement	1.	(1) These rules may be called the Uttarakhand Medical Education Service (Amendment) Rules, 2022							
		(2) It shall come into force at once.							
Amendment of rule 10	2.	In Uttarakhand Medical Education Service Rules, 2014, for existing Table of rule 10 as set out in column 1 below, the Table as set out in column 2 shall be substituted, namely :-							
		Column-1 Existing Table				Column-2 Table hereby substituted			
		Sl. No	Name of Post	Min Age	Max Age	Sl. No	Name of Post	Age Minimum	Age Maximum
		1.	Professor	30 Yrs	50 Yrs	1.	Professor	30 Yrs	-
		2.	Associate Professor	30 Yrs	50 Yrs	2.	Associate Professor	30 Yrs	-
		3.	Assistant Professor	30 Yrs	45 Yrs	3.	Assistant Professor	30 Yrs	45 Yrs

By Order,

RADHIKA JHA,

सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण अनुभाग-2

ई-पत्रावली संख्या-22200

अधिसूचना

14 जुलाई, 2022 ई0

संख्या I/49689/2022—राज्यपाल, उत्तराखण्ड बाढ़ मैदान परिक्षेत्र अधिनियम, 2012 (उत्तराखण्ड अधिनियम संख्या 07 वर्ष 2013) की धारा 12 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिला रुद्रप्रयाग के सिंचाई खण्ड केदारनाथ में सरस्वती नदी के दोनों किनारों पर वीआईपी हैलीपैड से मंदाकिनी तथा सरस्वती के संगम तट तक दोनों तटों की कुल लम्बाई 1.8 किमी० रीच हेतु पूर्व में जारी अधिसूचना संख्या 119/II(2)-2021-06(92)/2020, दिनांक 19 जनवरी, 2021 में संलग्न प्रतिषिद्ध/निर्बन्धित क्षेत्रों की अनुसूची 01 और 02 में निर्दिष्ट क्षेत्रों को बाढ़ मैदान परिक्षेत्र घोषित करते हुए, इन क्षेत्रों में निम्नवत् कार्य सम्पादित करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं; अर्थात्—

क्र.	क्षेत्र	अनुमन्य कार्यों का विवरण
1	प्रतिषिद्ध क्षेत्र	तटबन्ध/बाढ़ प्रबन्धन, खनन, वृक्षारोपण, कृषि, स्नान घाट निर्माण, नदी तटीय विकास, सिंचाई, पेयजल योजना, जलक्रीड़ा, जल परिवहन, सेतु आदि से सम्बन्धित निर्माण/गतिविधियां। “परन्तु राज्य सरकार अधिनियम की मूल भावना का अनुपालन करते हुए, कि नदी की धारा/प्रवाह में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो, जनहित में, प्रकरण विशेष में, उपरोक्त उल्लिखित कार्य के साथ-साथ समान प्रकृति के अतिरिक्त अन्य कार्यों को भी करने की अनुमति राजपत्र में अधिसूचना के द्वारा प्रदान कर सकेगी।”
2	निर्बन्धित क्षेत्र	पार्क, खेल का मैदान, मत्स्य पालन, कृषि आदि के सम्बन्ध में निर्माण/गतिविधियां और समय-समय पर होने वाले धार्मिक मेलों हेतु अस्थाई/स्थायी निर्माण इस प्रतिबन्ध के साथ अनुमन्य होंगे कि उक्त गतिविधियों द्वारा उत्सर्जित होने वाला जल-मल व ठोस अपशिष्ट का पूर्णतः समुचित प्रबन्धन सुनिश्चित करते हुये उक्त का अनापत्ति प्रमाण पत्र/परीक्षण उत्तराखण्ड पेयजल निगम से कराया जायेगा, इस क्षेत्र में पूर्व से विद्यमान निर्माण, जो जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं, की विद्यमान भू-आच्छादन 35 प्रतिशत, तल क्षेत्र अनुपात 1:5 व भवन की अधिकतम ऊंचाई 7.50 मी० अथवा दो मंजिल की सीमा तक पुनर्निर्माण इस प्रतिबन्ध के साथ अनुमन्य होगा कि क्षेत्र में सीवरेज व्यवस्था उपलब्ध हो। निर्माण अनुमन्य होने की स्थिति में उच्च बाढ़ तल (High Flood Level) से भवन का न्यूनतम प्लिंथ लेवल (Plinth Level) 1.00 मीटर होगा एवं क्षेत्र की सीवरेज व्यवस्था का समुचित प्रबन्धन सुनिश्चित करने के साथ-साथ उत्तराखण्ड पेयजल निगम से परीक्षण/अनापत्ति प्रमाण पत्र लिया जाना आवश्यक होगा।

“परन्तु राज्य सरकार अधिनियम की मूल भावना का अनुपालन करते हुए, कि नदी की धारा/प्रवाह में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो, जनहित में, प्रकरण विशेष में, उपरोक्त उल्लिखित कार्य के साथ-साथ समान प्रकृति के अतिरिक्त अन्य कार्यों को भी करने की अनुमति राजपत्र में अधिसूचना के द्वारा प्रदान कर सकेगी।”

आज्ञा से,

हरिचन्द्र सेमवाल,

अधिकारी।

In pursuance of the provision of clause (3) of article 348 of the 'Constitution of India', The Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification No.49690/2022 dated July 14, 2022 for general information.

E- File no-22200

NOTIFICATION

July 14, 2022

No.49690/2022--In exercise of the powers conferred by sub section (1) of section 12 of the Uttarakhand Flood Plain Zoning Act, 2012 (Uttarakhand Act. No 07 of 2013) the Governor is pleased to allow to sanction of following work execution in these area with declaration flood plain zoning to the mentioned area annexed schedule 1 and 2 of Prohibited/Restricted areas of the previous notification no-119/II(2)-2021-06(92)/2020, dated 19.01.2021 From VIP helipad to the confluence of Mandakini and Saraswati river up to reach 1.8 Km, on both sides of Saraswati river in Kedarnath Irrigation division of district Rudraprayag, namely :-

S.No.	Area	Details of Permissible Works
1.	Prohibited Area	Construction activities regarding embankment/ flood management, mining, plantation, agriculture, bathing ghats, river front development, irrigation, drinking water scheme, water sports, water transportation and bridge etc. "Provided that compliance the basic spirit of the Act, the state government may allow by Gazette notification to permitted in public interest, for a particular case, to other works of similar nature in addition to the works as mentioned above, in such manner, river stream/ flow shall not get obstructed."
2.	Restricted Area	Aactivities regarding park, sports field, fisheries, agriculture etc. and the temporary/ permanent construction required for religious fairs from time to time shall be permissible after getting No Objection Certificate (N.O.C.)/examination from Uttarakhand Pey Jal Nigam that there are appropriate management for disposal of sewerage and solid waste created by the said activities in this area, the construction of existing unsafe structure shall be admissible up to limitation of existing land covering 35 percent floor area ratio 1:5 and up to maximum height 7.50 meter or double storey building with the restriction that the sewerage system is available in the area. In case of admissibility of construction, minimum plinth level of the building from High Flood Level (H.F.L) shall be kept 1.0 M high and the examination/ No Objection Certificate (N.O.C.) shall be necessary from the Uttarakhand Pey Jal Nigam for ensuring that there are appropriate provision of Sewerage treatment. Provided that compliance the basic spirit of the Act, the state government may allow by Gazette notification to permitted in public interest, for a particular case, to other works of similar nature in addition to the works as mentioned above, in such manner, river stream/ flow shall not get obstructed.

By Order,

H.C. SEMWAL,

Secretary

सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण अनुभाग-2

ई-पत्रावली संख्या-22200

अधिसूचना

14 जुलाई, 2022 ई0

संख्या I/49691/2022—राज्यपाल, उत्तराखण्ड बाढ़ मैदान परिक्षेत्र अधिनियम, 2012 (उत्तराखण्ड अधिनियम संख्या 07 वर्ष 2013) की धारा 12 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तालिका में उल्लिखित जिलों हेतु, पूर्व में निर्गत विभिन्न अधिसूचनाओं में आंशिक संशोधन करते हुए प्रतिषिद्ध क्षेत्र एवं निर्बन्धित क्षेत्र में अनुमन्य कार्यों में निम्नवत् परन्तुक अंतः स्थापित किये जाने की सहर्ष स्वीकृत प्रदान करते हैं; अर्थात्:-

“परन्तु, राज्य सरकार, अधिनियम की मूल भावना का अनुपालन करते हुए कि नदी की धारा/प्रवाह में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो, जनहित में, प्रकरण विशेष में उपरोक्त उल्लिखित कार्य के साथ-साथ समान प्रकृति के अतिरिक्त अन्य कार्यों को भी करने की अनुमति राजपत्र में अधिसूचना के द्वारा प्रदान कर सकेगी।”

तालिका

क्र०	जिला	पूर्व में निर्गत अधिसूचना
1	रूद्रप्रयाग	अधिसूचना संख्या-1943 / II(2)/2021-06(14)/2020 दिनांक 31.12.2021
2	टिहरी गढ़वाल	अधिसूचना सं०-926/ II(2)/2021-06(15)/2020 दिनांक 08.07.2021
3	चमोली	अधिसूचना सं०-928/ II(2)/2021-06(16)/2020 दिनांक 08.07. 2021
4	पौड़ी गढ़वाल	अधिसूचना संख्या-05/ II(2)/2021-06(17)/2020 दिनांक 03.01.2022
6	उत्तरकाशी	अधिसूचना सं०-927/ II(2)/2021-06(66)/2016 दिनांक 08.07.2021
		अधिसूचना संख्या- 829/ II(2)/2021-06(66)/2016 दिनांक 11.05.2018
7	हरिद्वार	अधिसूचना संख्या-828/ II(2)/2021-06(65)/2016 दिनांक 11.05.2018

2- पूर्व में निर्गत, तालिका में उल्लिखित सभी अधिसूचनाओं को, उक्त सीमा तक संशोधित समझा जाय। अधिसूचनाओं के अन्य नियम और शर्तें यथावत लागू रहेंगी।

आज्ञा से,

हरिचन्द्र सेमवाल,
सचिव।

In pursuance of the provision of clause (3) of article 348 of the 'Constitution of India', The Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification No.49692/2022 dated July 14, 2022 for general information.

E- File no-22200

NOTIFICATION

July 14, 2022

No.49692/2022--In exercise of the powers conferred by sub section (1) of section 12 of the Uttarakhand Flood Plain Zoning Act, 2012 (Uttarakhand Act. No 07 of 2013), the Governor is pleased to allow to insert the following proviso in works admissible under Prohibited Area and Restricted Area by way of partial amendment in various notifications issued earlier for the districts mentioned in the table as follows : namely :-

"Provided that compliance of the basic spirit of the Act, the State Government may allow by Gazette notification to permitted in public interest, for a particular case, to other works of similar nature in addition to the works as mentioned above, in such manner, river stream flow shall not get obstructed."

S.N.	District	Notifications issued earlier
1	Rudraprayag	Notification No.1943/ II(2)/2021-06(14)/2020, Dated 31-12-2021
2	Tehri Garhwal	Notification No.926/ II(2)/2021-06(15)/2020, Dated 08-07-2021
3	Chamoli	Notification No.928/ II(2)/2021-06(16)/2020, Dated 08-07-2021
4	Pauri Garhwal	Notification No. 05/ II(2)/2021-06(17)/2020, Dated 03-01-2022
6	Uttarkashi	Notification No. 927/ II(2)/2021-06(66)/2016, Dated 08-07-2021
		Notification No. 829/ II(2)/2021-06(66)/2016, Dated 11-05-2018
7	Haridwar	Notification No. 828/ II(2)/2021-06(65)/2016, Dated 11-05-2018

Table

2- All earlier issued notifications, mentioned in the table, shall stand modified up to this extent. Other terms and conditions of the notifications shall remain in force.

By Order,

H.C. SEMWAL,

Secretary.

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम अनुभाग अधिसूचना (नोशनल पदोन्नति)

18 जुलाई, 2022 ई०

संख्या 711/VII-3-22/54-उद्योग/2015-एतद्वारा उद्योग विभाग के अंतर्गत सहायक निदेशक/प्रबंधक-उद्योग के पद पर तैनात श्री उत्तम कुमार तिवारी को "उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश उद्योग सेवा नियमावली, 1993) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002" के आलोक में उनसे आसन्न कनिष्ठ श्री सुनील कुमार पंत, सहायक निदेशक/प्रबंधक के पद पर पदोन्नति की तिथि 28.09.2017 से सहायक निदेशक/प्रबंधक (वेतनमान रु० 56,100-1,77,500, लेबल 10) के पद पर प्राकल्पिक पदोन्नति करने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. उपरोक्तानुसार प्राकल्पिक रूप से पदोन्नत श्री उत्तम कुमार तिवारी को वेतन संबंधी लाभ, उनकी वास्तविक पदोन्नति तिथि/उक्त पद पर कार्यभार ग्रहण करने की तिथि अर्थात् दिनांक 13 अगस्त, 2020 से ही देय होंगे, परन्तु अन्य सेवा संबंधी लाभ हेतु समयावधि की गणना दिनांक 28.09.2017 से की जायेगी।

3- उक्त आदेश तत्काल प्रभावी होंगे।

आज्ञा से,

डॉ० पंकज कुमार पाण्डेय,
सचिव।

पी०एस०यू० (आर०ई०) 33 हिन्दी गजट/530-भाग 1-2022 (कम्प्यूटर/रीजियो)।

उत्तराखण्ड उद्योग विभाग, उत्तराखण्ड, नवलखी।



सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की, शनिवार, दिनांक 13 अगस्त, 2022 ई० (श्रावण 22, 1944 शक सम्वत्)

भाग 1—क

नियम, कार्य—विधियां, आज्ञाएं, विज्ञप्तियां इत्यादि जिनको उत्तराखण्ड के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया

HIGH COURT OF UTTARAKHAND NAINITAL

NOTIFICATION

July 06, 2022

No. 190/XIV/a-37/Admin.A/2018--Shri Manoj Singh Rana, Civil Judge (Jr. Div.), Jaspur, District Udham Singh Nagar is hereby sanctioned earned leave for 12 days w.e.f. 13.06.2022 to 24.06.2022 with permission to prefix 11.06.2022 & 12.06.2022 as second Saturday and Sunday holidays respectively.

NOTIFICATION

July 06, 2022

No. 191/XIV-14/Admin.A/2008--Shri Dharmendra Singh Adhikari, 5th Additional District & Sessions Judge, Dehradun is hereby sanctioned earned leave for 25 days w.e.f. 01.06.2022 to 25.06.2022 with permission to suffix 26.06.2022 as Sunday holiday.

By Order of Hon'ble the Administrative Judge,

Sd/-

Registrar (Inspection)

NOTIFICATION

July 06, 2022

No. 192/UHC/Admin.A/2022--Shri Sahdev Singh, 1st Additional District & Sessions Judge, Haldwani, District Nainital is transferred and posted as District & Sessions Judge, Pithoragarh, in the vacant Court.

This order will come into force with immediate effect.

NOTIFICATION

July 12, 2022

No. 193/UHC/Admin.A/2022--Shri Vishal Goyal, Judicial Magistrate, Ramnagar, District Nainital is transferred and posted as Judicial Magistrate-II, Haldwani, District Nainital, in the vacant Court.

This order will come into force with immediate effect.

By Order of the Court,

Sd/-

VIVEK BHARTI SHARMA,

Registrar General.

NOTIFICATION

July 13, 2022

No. 194/XIV-95/Admin.A/2003--Ms. Kusum, Additional District & Sessions Judge/Fast Track Special Court (FTSC), Haridwar, is hereby sanctioned earned leave for 13 days w.e.f. 20.06.2022 to 02.07.2022 with permission to prefix 19.06.2022 & suffix 03.07.2022 as Sunday holiday.

NOTIFICATION

July 13, 2022

No. 195/XIV/a-26/Admin.A/2018--Ms. Vijay Lakshmi Vihan, Additional District & Sessions Judge, Ranikhet, District Almora is hereby sanctioned Child care leave for 44 days w.e.f. 23.05.2022 to 05.07.2022 with permission to prefix 22.05.2022 as Sunday holiday.

By Order of Hon'ble the Administrative Judge,

Sd/-

NOTIFICATION

July 18, 2022

No. 198/UHC/Admin.A/2022--In exercise of the powers conferred by Article 227 of the Constitution of India, High Court of Uttarakhand with the approval of the Governor, hereby amends Rule 33 of "The Uttarakhand Criminal Courts Procedure and Practice Rules, 2021" as under:

Existing Rule	Amended Rule
33. The application for bail in non-bailable cases must ordinarily be disposed of within a period of 3 to 7 days from the date of first hearing. If the application is not disposed of within such period, the Presiding Officer shall furnish reasons thereof in the order itself. Copy of the order and the reply to the bail application or status report (by the police or prosecution) if any, shall be furnished to the accused and to the accused on the date of pronouncement of the order itself.	33. The application for bail in non-bailable cases must ordinarily be disposed of within a period of 3 to 7 days from the date of first hearing. If the application is not disposed of within such period, the Presiding Officer shall furnish reasons thereof in the order itself. Copy of the order and the reply to the bail application or status report (by the police or prosecution) if any, shall be furnished to the accused on the date of pronouncement of the order itself and to prison concerned. The bail order should be furnished by the prison authorities to the accused.

These amendments shall come into force with immediate effect.

By Order of the Court,

Sd/-

VIVEK BHARTI SHARMA,

Registrar General.

NOTIFICATION

July 26, 2022

No. 199/XIV-a-48/Admin.A/2015--Ms. Sahista Bano, Civil Judge (Jr. Div.), Bazpur, District Udham Singh Nagar is hereby sanctioned earned leave for 28 days w.e.f. 18.06.2022 to 15.07.2022 with permission to suffix 16.07.2022 as local holiday & 17.07.2022 as Sunday holiday respectively.

By Order of Hon'ble the Administrative Judge,

Sd/-

Registrar (Inspection)

ADDITIONAL DISTRICT & SESSIONS JUDGE BAGESHWAR**CHARGE CERTIFICATE**

(Taking over Charge)

April 18, 2022

Letter No. 232/Admin-- Certified that in compliance of Hon'ble High Court Notification No. 91/UHC/Admin.A/2022 Dated: April 04, 2022, the charge of the Court and office of Additional District and Sessions Judge, Bageshwar was taken over by me as herein denoted in the forenoon of 16.04.2022.

PANKAJ TOMAR,

Additional District & Sessions Judge,

Bageshwar.

Counter Signed,

illegible,

District Judge Bageshwar.

परिवार न्यायालय, हल्द्वानी**कार्यभार ग्रहण प्रमाण पत्र**

02 मई, 2022 ई०

पत्रांक संख्या 75/परिवार न्यायालय, हल्द्वानी-प्रमाणित किया जाता है कि माननीय उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय, नैनीताल के पत्रांक संख्या- 1699/XIII-d-1/Admin.A/2022 दिनांकित 04.04.2022 एवं उत्तराखण्ड शासन के अधिसूचना संख्या 140/(1)/XXXVI-A-3/2022 दिनांकित 11 अप्रैल 2022 के अनुपालन में मेरे द्वारा न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, हल्द्वानी, जिला नैनीताल का कार्यभार आज दिनांक 16.04.2022 को अपराह्न ग्रहण किया गया।

बिन्ध्याचल सिंह,

न्यायाधीश,

परिवार न्यायालय, हल्द्वानी।

प्रति हस्ताक्षरित,

ह० (अस्पष्ट)

महानिबन्धक,

उच्च न्यायालय उत्तराखण्ड, नैनीताल।

FAMILY COURT, HALDWANI**CHARGE CERTIFICATE****(Handing over Charge)**

May 02, 2022

No. 62/Family Court, Haldwani--Certified that in compliance of Hon'ble High Court Notification No. 91/UHC/Admin.A/2022 Dated: April 04, 2022, the charge of the Court and office of Judge, Family Court, Haldwani is handed over by me as herein denoted in the forenoon of 15.04.2022.

PANKAJ TOMAR,

Judge,

Family Court, Haldwani.

Counter Signed,

illegible

Registrar General,

Hon'ble High Court of Uttarakhand

at Nainital.

**कार्यालय आयुक्त,
गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग,
उत्तराखण्ड, काशीपुर**

आदेश

24 मई, 2022 ई०

पत्रांक 381/सी/समिति अनुभाग—उत्तराखण्ड सहकारी समिति अधिनियम 2003 की धारा 121 तथा उत्तर प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम 2000 के साथ पठित उत्तर प्रदेश सहकारी गन्ना सेवा नियमावली 1975 के नियम-200 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, मैं हंसा दत्त पाण्डे, आयुक्त एवं निबन्धक, सहकारी गन्ना समितियां, उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश सहकारी गन्ना सेवा नियमावली 1975 (यथासंशोधित) के नियम संख्या 40 के पैरा 2 को निम्नानुसार प्रतिस्थापित करने की स्वीकृति प्रदान करता हूँ :-

स्तम्भ-1

विद्यमान नियम

नियुक्ति तथा पदोन्नति -

40- 50% सामयिक कर्मचारी नियमित सेवा में लिये जायेंगे, प्रतिबन्ध होगा कि वे योग्यता के मानक को पूरा करते हों और पद के लिये पात्र पाये जायें, आगे प्रतिबन्ध है कि सामयिक कर्मचारी का प्रत्येक सेवा सदस्य 5 वर्ष या अधिक लगातार सेवा पूरी कर चुका हो।

स्तम्भ-2

एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम

नियुक्ति तथा पदोन्नति -

40 (1) - 50% ऐसे सामयिक लिपिकों में से जो उत्तराखण्ड माध्यमिक शिक्षा परिषद से इन्टरमीडियट की परीक्षा अथवा उसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण हों तथा 4000 की-डिप्रेशन प्रति घण्टा हिन्दी कम्प्यूटर टाईपिंग की परीक्षा उत्तीर्ण करता हो।

(2) 50% सीधी भर्ती के लिपिक वर्गीय कार्मिकों में, शासनादेश संख्या 892/XXX(2)/2013 55(42)2004 दिनांक 13 अगस्त, 2013 के अनुक्रम में समूह 'घ' के ऐसे कर्मचारियों में से, 15 प्रतिशत जो हाईस्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण हों तथा 10 प्रतिशत जो इन्टरमीडियट की परीक्षा उत्तीर्ण हों तथा 4000 की-डिप्रेशन प्रति घण्टा हिन्दी कम्प्यूटर टाईपिंग की परीक्षा उत्तीर्ण करता हो।

आगे प्रतिबन्ध है कि सामयिक कर्मचारी व समूह 'घ' का प्रत्येक सेवा सदस्य चयन वर्ष के प्रथम दिवस को अपने पद पर 5 वर्ष की सेवा पूर्ण करता हो, अनुपयुक्त को अस्वीकार करते हुए ज्येष्ठता के आधार पर लिपिक पद हेतु अर्ह होगा।

हंसा दत्त पाण्डे,

आयुक्त/निबन्धक,

सहकारी गन्ना समितियां,

उत्तराखण्ड।



सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की, शनिवार, दिनांक 13 अगस्त, 2022 ई0 (श्रावण 22, 1944 शक सम्वत्)

भाग 8

सूचना एवं अन्य वैयक्तिक विज्ञापन आदि

सूचना

शुद्धिकरण-मेरे पैन कार्ड AANPQ7020K में मेरा नाम ZUBI JAMIL AHAMAD QURASHI D/O JAMIL AHAMAD QURASHI दर्ज हो गया है, जबकि मेरा वास्तविक नाम AISHA NAAZ है। भविष्य में मुझे AISHA NAAZ D/O JAMEEL AHMAD के नाम से जाना पहचाना व पुकारा जाए।

समस्त विधिक औपचारिकताएँ मेरे द्वारा पूर्ण कर ली गई हैं।

AISHA NAAZ D/O JAMEEL AHMAD
निवासी 444, सोत मोहल्ला सिटी पब्लिक
कालेज रुड़की, जिला-हरिद्वार, उत्तराखण्ड।

सूचना

मेरे हाईस्कूल के शैक्षिक प्रमाणपत्रों में मेरा नाम आशा चन्दानी व मेरे ई.पी.एफ. मे मेरा नाम आशा गुरनानी दर्ज है पारिवारिक कारणोंवश मैंने अपना नाम बदलकर सीमानन्द गुरनानी कर लिया है, भविष्य में मुझे सीमानन्द गुरनानी के नाम से जाना पहचाना जाए।

समस्त विधिक औपचारिकताएँ मेरे द्वारा पूर्ण कर ली गई हैं।

सीमानन्द गुरनानी निवासी 765 इंदिरा नगर पुलिस
चौकी के पास देहरादून।

कार्यालय नगर पालिका परिषद चिन्वालीसौड

28 जनवरी, 2020 ई०

पत्रांक-463/सेप्टेज उप०प्रका०/2019-20—उत्तराखण्ड (नगरपालिका अधिनियम 1916) (अनुकूल एवं उपान्तरण आदेश-2002) अनुकूल एवं उपान्तरण आदेश-2007 की धारा 298 'झ' एवं पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 166 की धारा 3,6 एवं 25 पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा गठित ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन नियम 1916 के नियम 15 (ण) तथा उत्तराखण्ड कूड़ा फेंकना तथा थूकना अधिनियम 1916 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नगरपालिका परिषद चिन्वालीसौड जिला उत्तरकाशी द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन के लिए अपनी सीमान्तर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन उपविधि-2019 बनायी गयी है जिसको नगरपालिका अधिनियम 1916 की धारा 301(1) के अन्तर्गत दैनिक समाचार पत्र में जन सामान्य अथवा जिस पर इस उपविधि का प्रभाव पड़ने वाला हो उनसे 30 दिन के अन्दर आपत्ति एवं सुझाव मांगे गये। निर्धारित समयान्तर्गत कोई भी आपत्ति एवं सुझाव प्राप्त न होने के फलस्वरूप पालिका बोर्ड बैठक दिनांक 25.11.2019 में अंतिम रूप से स्वीकार करते हुए उपविधि सरकारी गजट में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी मानी जाएगी।

ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन उपविधि-2019

अध्याय-1

सामान्य

1. संक्षिप्त नाम और लागू होने की तारीख :
 - (1) यह उपविधि नगरपालिका परिषद चिन्वालीसौड ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन उपविधि 2019 कहलाएगी।
 - (2) यह उपविधि उत्तराखण्ड सरकार सरकारी गजट में प्रकाशित होने की तिथि से प्रभावी होगी।
 - (3) नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन उपविधि-2018 जो सरकारी गजट में प्रकाशन हेतु दिनांक 05 सितम्बर 2018 को प्रेषित की गयी, ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन उपविधि-2019 लागू होने की तिथि से स्वतः समाप्त मानी जायेगी।
2. यह उपविधि नगरपालिका परिषद चिन्वालीसौड के सीमान्तर्गत लागू होगी।
3. परिभाषाएं
 - (1) जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, इस उप नियमों में निम्नांकित परिभाषाएं लागू हैं:-
 - (क) "बल्क उद्यान और बागवान कचरा" का अर्थ हैं, उद्यानो, बागो आदि से उत्सर्जित बल्क कचरा, जिसमें घास, कतरन, खरपतवार, कार्बनयुक्त काष्ठ ब्राउन सामग्री जैसे पेड़ों की छटाई से उत्पन्न कचरा, पेड़ों की कटिंग, टहनियां, लकड़ी की कतरन, भूसा, सूखी पत्तियां, पेड़ों की छटाई आदि से उत्पन्न ठोस कचरा, जो दैनिक जैव अपघटीय कचरे के संकलन में समायोजित नहीं किया जा सकता हैं।
 - (ख) "बल्क कचरा उत्सर्जन का अर्थ हैं कि ठोस कचरा प्रबन्धन नियम, 2016 (जिसे बाद में यहाँ एस.डब्ल्यू.एम नियम कहलएगा) के नियम 3(1) (8) के अंतर्गत परिभाषित बल्क कचरा उत्सर्जक और सम्बद्ध निकाय के अधिशासी अधिकारी या उससे वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अधिसूचित ठोस कचरा उत्सर्जक;
 - (ग) "संग्रह" का अर्थ है, कचरा उत्सर्जन के स्रोत से ठोस कचरे को उठाना और संग्रहण बिंदुओं या किसी अन्य स्थान तक पहुंचाना;
 - (घ) "सक्षम प्राधिकारी" का अर्थ हैं नगरपालिका परिषद चिन्वालीसौड का अध्यक्ष एवं अधिशासी अधिकारी अथवा उसके द्वारा अधिकृत कोई अधिकारी/कर्मचारी।
 - (ङ) "निर्माण एवं विध्वंस कचरा" का वही अर्थ होगा, जो निर्माण एवं विध्वंस कचरा नियम, 2016 नियम 3(1)(ग) में परिभाषित किया गया हैं।

- (च) "स्वच्छ क्षेत्र" का अर्थ है, किसी परिसर के सामने और चारों ओर या निकटवर्ती फुटपाथ तक विस्तारित स्वच्छ सार्वजनिक स्थल, जिसमें नाली, फुटपाथ और पटरी के किनारे शामिल हैं, जिनका रख-रखाव इन उपनियमों के अन्तर्गत किया जाना है।
- (छ) "सामुदायिक कूड़ा घर (ढलाव)" का अर्थ है, नगरपालिका परिषद द्वारा स्थापित और संचालित अथवा एक या अधिक परिसरों के मालिकों और/या अधिभोगियों द्वारा मिलकर सड़क किनारे/ऐसे मालिकों/अधिभोगियों के किसी एक परिसर में अथवा समक्ष अधिकारी द्वारा अधिकृत उनके साझा परिसर में पृथक्कृत ठोस कचरे के संग्रहण के लिए स्थापित और संचालित कोई संग्रह केंद्र;
- (ज) "कंटेनराइज्ड हैड कार्ट" का अर्थ है, ठोस कचरे के बिन्दु दर बिन्दु संग्रह हेतु नगरपालिका परिषद या उसके द्वारा नियुक्त एजेंसी/एजेंट द्वारा प्रदत्त ठेला;
- (झ) "सुपुर्दगी" का अर्थ है किसी भी श्रेणी के ठोस कचरे को नगरपालिका परिषद चिन्वालीसौड के वर्कर या ऐसे कचरे की सुपुर्दगी के लिए नगरपालिका परिषद चिन्वालीसौड द्वारा नियुक्त, प्राधिकृत या लाइसेंस प्रदत्त व्यक्ति को सौंपना अथवा उसे नगरपालिका परिषद चिन्वालीसौड या नगरपालिका परिषद चिन्वालीसौड द्वारा अधिकृत लाइसेंस प्रदत्त एजेंसी द्वारा प्रदान किए गये वाहन में डालना;
- (ञ) "ई-कचरा" का अर्थ वही होगा, जो ई-कचरा (प्रबंधन) नियम, 2016 के नियम 3(1)(आर) में निर्दिष्ट किया गया है;
- (ट) "फिक्सड कम्पैक्टर ट्रांसफर स्टेशन (एफसीटीएस)" का अर्थ है, एक ऊर्जा चालित मशीन, जिसका डिजाइन बिखरे हुए ठोस कचरे को कम्पैक्ट करने के लिए किया गया है और प्रचालन के समय स्थिर रहती है। प्रचालन के समय कम्पैक्टर मोबाईल भी हो सकती है, जिसे मोबाईल ट्रांसफर स्टेशन (एमटीएस) कहा जा सकता है;
- (ठ) "कूड़ा-कचरा" का अर्थ है, सभी प्रकार का कूड़ा और उसमें कोई भी ऐसा कचरा पदार्थ शामिल जिसे फेंकना अथवा संग्रह करना इन उप-नियमों के अंतर्गत प्रतिबंधित है और ऐसा करने से किसी व्यक्ति, जीव-जन्तु को परेशानी होने या पर्यावरण अथवा सार्वजनिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण के प्रति खतरा पहुंचाने की आशंका हो।
- (ड) "गंदगी फैलाने" का अर्थ है, किसी ऐसी बस्ती में गंदगी उत्सर्जित करना, डालना, दबाना अथवा तत्संबंधी अनुमति देना, जहां वह गिरती, ढलती, बहती, धुलकर, रिसकर अथवा किसी अन्य तरीके से पहुंचती हो अथवा गंदगी के उत्सर्जित होने, बहकर आने, धुल कर आने या अन्य किसी तरह से खुले या सार्वजनिक स्थल पर आने की आशंका हो।
- (ढ) "स्वामी" का अर्थ है, जो किसी भवन, या भूमि या किसी भाग के मालिक के रूप में अधिकारों का इस्तेमाल करता है;
- (ण) "अधिभोगी/पट्टेदार" का अर्थ है, ऐसा व्यक्ति जो किसी भूमि या भवन या उसके हिस्से का अधिभोगी/पट्टेदार हो, इसमें ऐसे व्यक्ति भी शामिल है, जो तत्समय किसी प्रयोजन के लिए किसी भूमि या भवन या उसके हिस्से का इस्तेमाल कर रहा है।
- (प) "पैलेटाइजेशन" का अर्थ है, एक प्रक्रिया, जिसमें पैलेट तैयार की जाती हैं, जो ठोस कचरे से बने छोटे क्यूब अथवा सिलिंडरीकल टुकड़े होते हैं; और उनके ईंधन पैलेट्स भी शामिल होते हैं, जिन्हें रिफ्यूज डेराइब्ड ईंधन कहा जाता है।
- (फ) "निर्धारित" का अर्थ है, एस.डब्ल्यू.एम. नियमों और/या इन उप नियमों द्वारा निर्धारित;
- (ब) "सार्वजनिक स्थल" का अर्थ है, कोई ऐसा स्थान, जो आम लोगों के इस्तेमाल और मनोरंजन के लिए सहज सुलभ है, भले ही वह वास्तव में लोगों द्वारा इस्तेमाल या उपभोग किया जा रहा हो या नहीं;
- (भ) "संग्रहण" का अर्थ है, ठोस कचरे को अस्थायी तौर पर इस तरह से संग्रह करना जिससे गंदगी न फैले और मच्छर आदि कीटों, आवारा पशुओं और अत्यधिक बदबू का प्रकोप रोका जा सके;
- (म) "सैनेटरी वर्कर" का अर्थ है, नगरपालिका परिषद चिन्वालीसौड के क्षेत्र में ठोस कचरा एकत्र करने या हटाने अथवा नालियों को साफ करने के लिये नगरपालिका परिषद/एजेंसी द्वारा नियोजित व्यक्ति;

लगाया गया शुल्क या प्रभार, ताकि ठोस कचरा संग्रह, ढुलाई, प्रोसेसिंग और निपटान सेवाओं की आंशिक अथवा पूर्ण लागत कवर की जा सकें;

- (ल) "खाली प्लॉट" का अर्थ है, प्राइवेट पार्टी/व्यक्ति/सरकारी एजेंसी से सम्बद्ध कोई ऐसी भूमि या खुला स्थान, जिस पर किसी का कब्जा न हो;
- (2) यहां प्रयुक्त लेकिन परिभाषित न किए शब्दों और अभिव्यक्तियों, का अर्थ वही होगा, जो ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2016 और निर्माण एवं विध्वंस कचरा प्रबंधन नियम 2016 में अभिप्रेत होगा।

अध्याय -2

ठोस कचरे का स्रोत पर पृथक्कीकरण और संग्रहण

4. ठोस कचरे का स्रोत पर पृथक्करण और संग्रहण

(i) सभी कचरा उत्सर्जकों के लिए अनिवार्य होगा कि वे उनके स्वयं के स्थलों से उत्सर्जित होने वाले ठोस कचरे को नियमित रूप से पृथक् करें और उसे संगृहीत करें। यह पृथक्कीकरण मुख्य रूप से निम्नांकित 3-वर्गों में किया जायेगा:-

(क) गैर-जैव अपघटीय या सूखा कचरा

(ख) जैव अपघटीय या गीला कचरा

(ग) घरेलू जोखिमपूर्ण कचरा और तीनों श्रेणियों के कचरे को कवर्ड कचरा डिब्बों में रखा जाएगा तथा समय समय पर जारी नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड के निर्देशों के अनुसार पृथक्कीकृत कचरे को निर्दिष्ट कचरा संग्रहकर्ताओं को सौंपेगा।

(ii) प्रत्येक बल्क कचरा उत्सर्जक के लिए अनिवार्य होगा कि वह स्वयं के स्थलों पर उत्सर्जित ठोस कचरे को पृथक् करें और उसे संगृहीत करे निम्नांकित 3 वर्गों में:-

(क) गैर-जैव अपघटीय या खुश्क कचरा

(ख) जैव अपघटीय या गीला कचरा

(ग) उपयुक्त कूड़ेदानों में जोखिमपूर्ण कचरा, जैविक (गीला) कचरे को अपने परिसर में प्रोसेस कर कम्पोस्ट या बायोगैस आदि तैयार करना एवं पृथक्कीकृत कचरे को अधिकृत कचरा संग्रहण एजेंसी के जरिए अधिकृत कचरा प्रसंस्करण अथवा निपटान केंद्रों या संग्रहण केंद्रों को सौंपेगा और उसके लिए नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड द्वारा समय समय पर निर्धारित ढुलाई शुल्कों का भुगतान अधिकृत कचरा संग्रह एजेंसी को करेगा।

(iii) पृथक् किए गये कचरे के संग्रहण के लिए कूड़ेदानों का रंग इस प्रकार होगा:-

हरा:- जैव अपघटीय कचरे के लिए;

नीला:- गैर-जैव अपघटीय या खुश्क कचरे के लिए;

काला:- घरेलू जोखिम पूर्ण कचरे के लिए

(iv) सभी निवासी कल्याण और बाजार संगठन, नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड की भागीदारी से, यह सुनिश्चित करेंगे कि उत्सर्जकों द्वारा स्रोत पर कचरे का पृथक्कीकरण किया जाए, पृथक् किए गए ठोस कचरे को अलग अलग डिब्बों में संगृहीत किया जाए और फिर से इस्तेमाल करने वालों को सौंपी जाएं। जैव अपघटीय कचरे की प्रोसेसिंग, उपचार और निपटान कम्पोस्टिंग अथवा बायो-मिथेनेशन तकनीक के जरिए यथासंभव परिसर के भीतर ही किया जाएगा। इससे बचे कचरे को नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड द्वारा निर्देशित कचरा संग्रहकर्ताओं या एजेंसी को दिया जाएगा।

(v) 5000 वर्गमीटर क्षेत्र से अधिक क्षेत्र कब्जा रखने वाले सभी द्वारबंद समुदाय तथा संस्थान नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड की भागीदारी के साथ सुनिश्चित करेंगे कि उत्सर्जकों द्वारा कचरे का स्रोत पर पृथक्कीकरण हो, पृथक् किए गए कचरे को अलग अलग डिब्बों में रखेंगे और पुनः उपयोग आने वाली सामग्री को अधिकृत कूड़ा संग्रहकर्ताओं या अधिकृत पुनः इस्तेमाल करने वाले को सौंपेंगे। जैव अपघटीय कचरे की प्रोसेसिंग, उपचार और निपटान कम्पोस्टिंग अथवा बायो-मिथेनेशन तकनीक के जरिए यथासंभव परिसर के भीतर ही किया जाएगा। इससे बचे हुए कचरे को नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड द्वारा निर्देशित कचरा संग्रहकर्ताओं या एजेंसी को दिया जाएगा।

(vi) सभी होटल और रेस्त्रां, नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड की भागीदारी से कचरे का स्रोत पर पृथक्कीकरण सुनिश्चित करेंगे, पृथक् किए गए ठोस कचरे को अलग अलग डिब्बों में संग्रहीत करेंगे और फिर से इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री अधिकृत कचरा संग्रहकर्ताओं अथवा अधिकृत पुनः इस्तेमाल करने वालों को सौंपेंगे। जैव अपघटीय कचरे की प्रोसेसिंग, उपचार और निपटान कम्पोस्टिंग अथवा

बायो-मिथेनेशन तकनीक के जरिए यथासंभव परिसर के भीतर ही किया जाएगा। इससे बचे हुए कचरे को नगरपालिका परिषद चिन्वालीसौड द्वारा निर्देशित कंचरा संग्रहकर्ताओं या एजेंसी को दिया जाएगा।

(vii) कोई व्यक्ति गैर-लाइसेंसी स्थान पर कोई ऐसा कार्यक्रम आयोजित नहीं करेगा, जिसमें 100 से अधिक व्यक्ति एकत्र हों, ऐसा करने के लिए यह जरूरी होगा कि अनुसूची में निर्धारित इस्तेमालकर्ता शुल्क का भुगतान करते हुए नगरपालिका परिषद चिन्वालीसौड को कम से कम 3 कार्य दिवस अग्रिम लिखित जानकारी देनी अनिवार्य होगी और ऐसा व्यक्ति या आयोजक यह सुनिश्चित करेगा कि ठोस कंचरे को स्रोत पर अलग अलग किया जाए, ताकि नगरपालिका परिषद चिन्वालीसौड द्वारा निर्धारित संग्रहकर्ता या एजेंसी को सौंपा जा सकें।

(viii) सेनिटरी उत्पादों से उत्सर्जित कंचरे को तत्सम्बन्धी विनिर्माताओं या ब्रॉड मालिकों द्वारा प्रदान किए गए पाउचों अथवा अखबारों या उपयुक्त जैव अपघटीय संलेपन सामग्री में सुरक्षित तरीके से संलेपित किया जाए और उसे गैर-जैव अपघटीय या खुश्क कंचरे के लिए बनाए गए कूड़ेदान में रखा जाना चाहिए।

(ix) प्रत्येक गली विक्रेता अपने क्रियाकलाप के दौरान उत्सर्जित होने वाली खाद्य सामग्री, निपटान योग्य प्लेटे, कप, डिब्बे, रैपर्स, नारियल के खोल, बचा हुआ भोजन, सब्जियां, फल आदि को अलग अलग करके उपयुक्त कूड़ेदानों में संग्रहित करेगा और उसे नगरपालिका परिषद चिन्वालीसौड द्वारा अधिसूचित डिपो या कंटेनर या वाहन को ही सौंपेगा।

(x) उद्यान और बागवानी के कंचरा उत्सर्जक अपने परिसर में उत्सर्जित कंचरे को अलग से एकत्र करेंगे और समय समय पर नगरपालिका परिषद चिन्वालीसौड के निर्देशों के अनुसार उसका निपटान करेंगे।

(xi) घरेलू जोखिमपूर्ण कंचरे को प्रत्येक कंचरा उत्सर्जक द्वारा स्टोर किया जाएगा और उसे नगरपालिका परिषद चिन्वालीसौड या उसके द्वारा अथवा उत्तराखण्ड सरकार या प्रदूषण नियंत्रण समिति द्वारा ऐसे कंचरे का संग्रह के लिए साप्ताहिक/समय समय पर उपलब्ध कराए गए वाहन तक पहुंचाया जाएगा अथवा ऐसे कंचरे को उत्तराखण्ड सरकार या राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा अधिसूचित तरीके से निपटान के लिए निर्दिष्ट कंचरा संग्रह केंद्र तक पहुंचाया जाएगा।

(xii) निर्माण कार्यों और भवनों को ढहाए जाने से उत्सर्जित कंचरा, निर्माण एवं विध्वंस कंचरा प्रबंधन नियम 2016 के अनुसार अलग से एकत्रित और निपटान किया जायेगा।

(xiii) बायो मेडिकल कंचरा, ई-कंचरा, जोखिमपूर्ण रासायनिक एवं औद्योगिक कंचरा बिना उपचारित किए ठोस कंचरे में मिश्रित नहीं किया जाएगा। ऐसे कंचरे का निपटान पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के अंतर्गत बनाए गए तत्संबन्धी नियमों के अनुसार किया जाएगा।

(xiv) निर्दिष्ट बूचडखानों और बाजारों को छोड़कर अन्य परिसरों के प्रत्येक ऐसे मालिक/कब्जाधारी, जो किसी वाणिज्यिक गतिविधि के परिणाम स्वरूप पोल्ट्री, मछली और पशुवध संबंधी कंचरा उत्सर्जित करते हो, उन्हें ऐसे कंचरे को अलग से बंद कंटेनर में स्वास्थ्यकर स्थिति में एकत्रित करना होगा और रोजमर्रा के आधार पर निर्दिष्ट समयानुसार नगरपालिका परिषद चिन्वालीसौड द्वारा इस प्रयोजन के लिए प्रदान किए गए कंचरा वाहन/स्थल तक पहुंचाना होगा। ऐसे कंचरे को सामुदायिक कूड़ा घरों में डालना निषेध होगा।

(xv) पृथक किए गए जैव अपघटीय ठोस कंचरे को यदि उत्सर्जकों द्वारा कम्पोस्ट न किया गया हो, तो उसे उन्हें अपने परिसर में अलग से एकत्र करना होगा और उसकी डिलिवरी निकाय के श्रमिक/वाहन/कंचरा एकत्रितकर्ता/कंचरा संग्रहकर्ता अथवा बल्क में जैव अपघटीय कंचरा उत्सर्जित करने वाले निर्दिष्ट वाणिज्यिक उत्सर्जकों के लिए प्रदान कराए गये कंचरा संग्रह वाहन तक पहुंचाया जाएगा। यह सुपुर्दगी समय-समय पर अधिसूचित समयानुसार करनी होगी।

अध्याय-3

ठोस कंचरा संग्रह

5. ठोस कंचरे का संग्रह निम्नांकित अनुसार किया जाएगा:-

(i) नगरपालिका परिषद चिन्वालीसौड के सभी क्षेत्रों या वार्डों में पृथक किए गए ठोस कंचरे को घर घर जाकर संग्रह करने के बारे में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का अनुपालन किया जाएगा, जिनके अनुसार मलिन और अनौपचारिक बस्तियों सहित दैनिक आधार पर प्रत्येक घर से कंचरा एकत्रित किया जाएगा। इसके लिए घर घर जाकर कंचरा एकत्रित करने की अनौपचारिक प्रणाली को नगरपालिका परिषद चिन्वालीसौड द्वारा संग्रह प्रणाली के साथ एकीकृत किया जाएगा।

(ii) कंचरे को अपने परिसर में संग्रहीत करने वाले बल्क कंचरा उत्सर्जकों से अपशिष्ट ठोस कंचरे को एकत्रित

(iii) सब्जी फल, फूल, मींस, पोल्ट्री और मछली बाजार से अवशिष्ट ठोस कचरे को रोजमर्रा के आधार पर एकत्रित किया जाएगा।

(iv) बागवानी और उद्यान संबंधी कचरा अलग से एकत्रित किया जाएगा और उसका निपटान किया जाएगा। इस प्रायोजन के लिए सप्ताह में एक या दो दिन निर्दिष्ट किए जायेंगे।

(v) फलों और सब्जी, बाजारों, मांस और मछली बाजारों, बल्क बागवानी और उद्यानों से उत्सर्जित जैव अपघटीय कचरे का अनुकूलतम इस्तेमाल करने और संग्रहण एवं ढुलाई की लागत में कमी लाने के लिए ऐसे कचरे को उस क्षेत्र के भीतर प्रोसेस या उपचारित किया जाएगा, जिसमें वह उत्सर्जित होता है।

(vi) कंटेनरों में कचरे का हाथ से परिचालन निषेध है। यदि दबाव के कारण अपरिहार्य हो तो कचरे का हाथ से निपटान श्रमिकों की उचित देखभाल और सुरक्षा के साथ समुचित संरक्षण के तहत किया जाएगा।

(vii) कचरा उत्सर्जक अपने पृथक् किए गए कचरे को नगरपालिका परिषद चिन्हालीसौड द्वारा अथवा अधिसूचित अधिकृत कचरा संग्रहकर्ता द्वारा तैनात टिप्पर/ट्रक आदि वाहनों में डालने के लिए जिम्मेदार होंगे। बहुमंजिला इमारतों, अपार्टमेंटो, आवास परिसरों (इन उपनियमों के खंड 4 व उप-खंड (पअ) और (अ) के अंतर्गत आने वालों को छोड़कर) से उत्सर्जित पृथक् किए गए कचरे को ऐसे परिसरों के मुख्य द्वार से अथवा किसी अन्य निर्दिष्ट स्थान से एकत्र किया जाएगा।

(viii) कचरा संग्रह उपकरणों और वाहनों के चयन के लिए बदलती जरूरतों और प्रौद्योगिकी में नई खोजों को ध्यान में रखा जाएगा। कचरा एकत्र करने के लिए विशेष क्षमता वाले ऐसे वाहन/ट्रक/टिप्पर आदि प्रयुक्त किए जायेंगे, जो ऊपर से हाईड्रोलिक तरीके से संचालित हूपर कवरिंग व्यवस्था से युक्त हों और उनमें जैव अपघटीय और गैर-जैव अपघटीय कचरे के लिए अलग अलग दो कम्पार्टमेंट होंगे। ऐसे वाहनों पर हूटर भी लगा होगा।

(ix) स्वचालित ध्वनि रिकार्डिड उपकरण, घंटी या शोर के स्वीकार्य स्तर तक सीमित हॉर्न भी कचरा संग्रह वाहन में कचरा संग्रहकर्ताओं द्वारा इस्तेमाल किया जाएगा।

(x) प्रत्येक प्राथमिक संग्रहण तथा ढुलाई वाहन के लिए मार्ग योजनाएं और नगरपालिका परिषद चिन्हालीसौड द्वारा या अधिसूचित अधिकृत कचरा संग्रहकर्ता द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा और ये योजनायें तालिकाबद्ध होंगी जो नगरपालिका परिषद चिन्हालीसौड द्वारा विधिवत रूप से अनुमोदित होंगी और उनमें प्रारंभिक बिन्दु, प्रारंभ करने का समय, प्रतीक्षा स्थलों, मार्ग में रुकने का समय, अंतिम बिंदु और निर्दिष्ट मार्ग के अंतिम समय का उल्लेख होगा। नगरपालिका परिषद चिन्हालीसौड अथवा अधिसूचित अधिकृत कचरा संग्रहकर्ता द्वारा मुख्य स्थलों पर एक बोर्ड लगाया जाएगा, जिस पर प्राथमिक कचरा संग्रह और ढुलाई वाहनों की समय सारणी प्रदर्शित की जाएगी, ताकि क्षेत्र के निवासी निर्धारित समय पर इस सुविधा का लाभ उठा सकें। ऐसी जानकारी भविष्य में नगरपालिका परिषद चिन्हालीसौड अथवा शहरी विकास निदेशालय की वेबसाइट पर भी अपलोड की जाएगी।

(xi) ऐसी कालोनी/गलियाँ जहाँ टिप्पर/ट्रक या वाहन की सेवाएं संभव न हो तथा वहाँ पर 50 परिवार से अधिक परिवार निवासरत हो, के लिए भाड़ा ढोने वाले श्रमिकों से कण्डियों के माध्यम से कूड़ा सड़क तक लाया जायेगा तथा कूड़ा का निस्तारण कूड़ा वाहनों में किया जायेगा।

(xii) अत्यंत भीड़ भाड़ वाले और अधिक तंग गलियों वाले क्षेत्रों में जहां ट्रक/टिप्पर आदि वाहन भी न जा सकें वहां भाड़ा ढोने वाले श्रमिकों से कण्डियों के माध्यम से कूड़ा सड़क तक लाया जायेगा अन्य प्रकार के उपयुक्त उपकरण तैनात किए जायेंगे।

(xiii) ऐसी छोटी, तंग और भीड़-भाड़ वाली गलियों/लेनों में जहाँ ट्रक/टिप्पर/रिक्शा आदि का संचालन संभव न हो, ऐसे स्थानों पर बस्ती/गली के छोर पर खास जगह तय की जाएगी, जहां कचरा संग्रह वाहन खड़ा किया जा सके और वाहन के हेलपर के पास एक सीटी होगी और वे सीटी बजाते हुए गली में ठोस कचरा संग्रहण के लिए वाहन के आगमन की घोषणा करेंगे। इस तरह की संग्रह प्रणाली की समय सारिणी नोटिस बोर्ड पर लगाई जाएगी और नगरपालिका परिषद चिन्हालीसौड अथवा शहरी विकास निदेशालय की वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी।

(xiv) ऑटो टिप्पर/ट्रक/रिक्शा और सेवा में संलग्न किसी अन्य तरह के वाहन केवल घरों से कचरा एकत्र करेंगे, और अन्य स्रोतों जैसे ढलाव, खुले स्थलों, मैदान, कूड़ेदानों और नालियों आदि से कचरा एकत्र नहीं करेंगे।

(xv) नगरपालिका परिषद चिन्हालीसौड या उसके अधिसूचित अधिकृत कचरा संग्रहकर्ता प्राथमिक कचरा

अध्याय-4

ठोस कचरे का द्वितीयक संग्रहण

6. द्वितीयक संग्रहण बिंदुओं में ठोस कचरे का संग्रहण निम्नानुसार किया जाएगा

(i) घरों में एकत्रित किया गया पृथक ठोस कचरा, कचरा स्टोरेज डिपो, सामुदायिक कूड़ा घरों या अचल या चल अंतरण स्थलों या कचरे के द्वितीयक संग्रहण के लिए नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड द्वारा निर्दिष्ट स्थानों पर ले जाया जाएगा।

(ii) ऐसे द्वितीयक संग्रहण बिंदुओं को कंटेनरों (निर्दिष्ट रंग के) से कवर किया जाएगा, जिनसे निम्नांकित के लिए अलग-अलग स्टोरेज होंगे :-

(क) गैर-जैव अपघटीय अथवा सूखा कचरा

(ख) जैव अपघटीय अथवा गीला कचरा

(ग) घरेलू जोखिमपूर्ण कचरा।

(iii) पृथक किए गए कचरे के संग्रहण के लिए नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड द्वारा चिन्हित अलग अलग कंटेनरों का इस्तेमाल निम्नांकित के अनुसार किया जायेगा :-

- हरा : जैव अपघटीय कचरे के लिए
- नीला : गैर-जैव अपघटीय कचरे के लिए
- काला : घरेलू जोखिमपूर्ण कचरे के लिए

नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड समय-समय पर विभिन्न प्रकार के ठोस कचरे के संग्रहण और वितरण के लिए निर्धारित गोदामों की रंग संहिता और अन्य मानदंड अधिसूचित करेगी ताकि कचरे का सुगम और सुरक्षित संग्रहण हो सके और किसी प्रकार का मिश्रण या रिसाव न हो, जिनका अनुपालन विभिन्न प्रकार के ठोस कचरा उत्सर्जकों को करना होगा।

(iv) नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड स्वयं अथवा बाहरी एजेंसियों के जरिए ठोस कचरा संग्रहण केंद्रों का संचालन इस ढंग से करेगी कि उनके आसपास अस्वास्थ्यकर और अस्वच्छ स्थितियां पैदा न हों।

(v) द्वितीयक संग्रहण डिपुओं में विभिन्न आकार के कंटेनर नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड या किन्हीं अन्य निर्दिष्ट एजेंसियों द्वारा प्रदान किये जाएंगे, जो इस उप-नियमों में वर्णित नियमों के अनुसार अलग अलग रंगों के होंगे।

(vi) संग्रहण केंद्रों का निर्माण और स्थापना इस बात को ध्यान में रखकर की जाएगी कि किसी निर्दिष्ट क्षेत्र में कचरे के उत्सर्जन की मात्रा कितनी है और जनसंख्या का घनत्व कितना है।

(vii) संग्रहण केंद्र इस्तेमालकर्ता अनुकूल होंगे और उनका डिजाइन इस तरह से तैयार किया जाएगा कि उनसे कचरा ढका रहे और संग्रहण किए गये कचरे का खुले वातावरण में कोई दुष्प्रभाव न पड़े।

(viii) सभी आवास सहकारी विभागों, समितियों, एसोसिएशनों, रिहायशी और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों और द्वारबंद समुदायों का यह दायित्व होगा कि वे इन उप-नियमों द्वारा निर्धारित रंगीन कूड़ेदान रखें और स्वयं के परिसरों में समुचित स्थानों पर पर्याप्त संख्या में ऐसे कंटेनर रखें ताकि वहां हर रोज उत्सर्जित कचरा ठीक ढंग से संगृहीत किया जा सके।

(ix) नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड या उसकी कोई निर्दिष्ट एजेंसी का यह दायित्व होगा कि वे सप्ताहिक आधार पर सभी कूड़ाघरों की धुलाई और संक्रमणमुक्त बनाने की व्यवस्था करें तथा आवश्यक कीटनाशक दवाईयों का छिड़काव करें।

(x) सूखे कचरे (गैर-जैव अपघटीय कचरा) के लिए रिसाइकलिंग सेंटर

(क) नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड अपने वर्तमान ढलावों अथवा पहचान किए गए खास स्थानों को आवश्यकतानुसार रिसाइक्लिंग केंद्रों के रूप में परिवर्तित करेगा, जिनका इस्तेमाल गलियों/घर घर जाकर कचरा एकत्र करने संबंधी सेवा के जरिए एकत्र किए गए सूखे कचरे को पृथक करने के लिए किया जाएगा। प्राप्त सूखे कचरे की मात्रा के अनुसार रिसाइक्लिंग केंद्रों की संख्या बढ़ाई जा सकती है।

(ख) गली/घर घर जाकर कचरा संग्रहण प्रणाली के जरिए और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों से प्राप्त केवल सूखा कचरा (गैर-जैव अपघटीय) इन निर्दिष्ट रिसाइक्लिंग केंद्रों को स्थानांतरित किया जाएगा। ये निर्दिष्ट केंद्र केवल सूखा कचरा प्राप्त करेंगे।

कंचरा व्यापारियों को पूर्व अधिसूचित दरों के अनुसार बेच सकते हैं। इस प्रयोजन के लिए प्रत्येक रिसाईक्लिंग यूनिट पर एक धर्मकांटा और काउंटर उपलब्ध कराया जाएगा। अधिकृत एजेंट और/या अधिकृत कंचरा व्यापारी को इस बात की अनुमति होगी कि वे रिसाईक्लिंग योग्य कंचरे को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के प्रावधानों के अनुसार द्वितीयक बाजार अथवा रिसाईक्लिंग यूनिटों को बेच सकते हैं। अधिकृत एजेंट और/या अधिकृत व्यापारी बिक्री से प्राप्त धनराशी रखने का हकदार होंगे।

(गप) निर्दिष्ट घरेलू जोखिमपूर्ण कंचरे के लिए संग्रहण केंद्र

(क) घरेलू जोखिमपूर्ण कंचरे के संग्रह के लिए एक संग्रहण केंद्र उपयुक्त स्थान पर स्थापित किया जाएगा, जहां निर्दिष्ट घरेलू जोखिमपूर्ण कंचरे को प्राप्त किया जाएगा, ऐसा सरकार द्वारा निर्धारित दिशा निर्देशों के अनुसार यथासम्भव प्रत्येक वार्ड में स्थापित किया जाएगा और उसे कंचरा प्राप्त करने का समय अधिसूचित करना होगा।

(ख) नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड अपनी एजेंसी को या छूटग्राही को यह दायित्व सौंप सकती है कि वह सभी कंचरा उत्सर्जकों से घरेलू जोखिमपूर्ण कंचरा पृथक्कीकृत तरीके से एकत्रित करें।

(ग) इस तरह प्राप्त किया गया कंचरा सरकार द्वारा स्थापित जोखिमपूर्ण कंचरा निपटान केंद्रों पर अलग से लाया जाएगा।

अध्याय-5

ठोस कंचरे की दुलाई

7. ठोस कंचरे की दुलाई निम्नांकित बातों को ध्यान में रख कर की जाएगी:-

(i) कंचरे की दुलाई के लिए प्रयुक्त वाहन भलिभाति कवर्ड होंगे ताकि एकत्र कंचरे का दुष्प्रभाव मुक्त वातावरण पर न पड़े। इन वाहनों में कम्पैक्टर और मोबाइल ट्रांसफर स्टेशन शामिल हो सकते हैं, जो निकाय द्वारा चुनी गई प्रौद्योगिकी पर निर्भर करेंगे।

(ii) नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड अथवा अधिकृत एजेंसी द्वारा स्थापित संग्रहण केंद्र में कंचरे के निपटान के लिए हर रोज काम करेंगे। कूड़ेदान या कंटेनरों के आस पास के क्षेत्र को साफ रखा जाएगा।

(iii) आवासीय और अन्य क्षेत्रों से एकत्र किया गया पृथक्कीकृत जैव अपघटीय कंचरा प्रोसेसिंग प्लांटो जैसे कम्पोस्ट प्लांट, बायो-मिथिनेशन प्लांट या अन्य केंद्र तक कवर्ड तरीके से पहुंचाया जाएगा।

(iv) जहाँ कहीं प्रयोज्य हो, जैव अपघटीय कंचरे के लिए, ऐसे कंचरे की स्व-स्थाने प्रोसेसिंग को वरीयता दी जाएगी।

(v) एकत्रित किया गया गैर-जैव अपघटीय कंचरा सम्बद्ध प्रोसेसिंग केंद्रों अथवा द्वितीयक संग्रहण में पहुंचाया जाएगा।

(vi) निर्माण और विध्वंसजन्य कंचरे की दुलाई निर्माण एवं विध्वंस कंचरा प्रबंधन नियम, 2016 के प्रावधानों के अनुसार की जाएगी।

(vii) नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड कंचरे की समुचित ढंग से दुलाई का प्रबंध करेगा। गलियों को बुहारने से उत्पन्न कंचरा और नालियों से निकाली गई गाद कार्य समाप्त होने के तत्काल बाद हटाई जाएगी।

(viii) दुलाई वाहनों का डिजाइन इस तरह से तैयार किया जाएगा कि अंतिम निपटारे से पहले कंचरे के बार-बार परिचालन से बचा जा सकें।

(ix) कंचरा संग्रहण के लिए काम में लगाए गए वाहन कंचरे को केवल एम.टी.एस. अथवा एफ.सी.टी.एस. जहाँ कहीं प्रदान किए गए हों, में जमा/स्थानांतरित करेंगे।

(x) यदि किसी कारणवश एम.टी.एस./एफ.सी.टी.एस. निर्दिष्ट स्थल पर खड़े नहीं पाए जायेंगे तो लदा वाहन एम.टी.एस. अथवा एफ.सी.टी.एस. के अगले निर्दिष्ट स्थल अथवा कंचरे को उतारने के लिए नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड द्वारा निर्दिष्ट स्थल तक जाएगा।

(xi) फिक्स्ड कम्पैक्टर ट्रांसफर स्टेशन को हुक लोडर के जरिए एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जाएगा।

(xii) कंचरे की दुलाई के दौरान विभिन्न स्रोतों से उत्सर्जित कंचरे का परस्पर मिश्रण नहीं होना चाहिए।

(xiv) कंचरे के गली स्तरीय संग्रहण और दुलाई सेवाएं अवकाश के दिनों सहित हर दिन उपलब्ध कराई जाएंगी।

नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड द्वारा निर्दिष्ट स्थानों से कंचरा संग्रह करने वाले निर्दिष्ट

(xvi) परिवारों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों से गली स्तरीय और घर घर जाकर ठोस कचरा संग्रह करने में लगे टिप्परों/ट्रकों आदि से कचरा प्राप्त करने के लिए एक अनुमोदित रूट प्लान के अनुसार निर्दिष्ट स्थानों पर प्रतिबद्ध एम.टी.एस तैनात किए जाएंगे।

(xvii) एम.टी.एस और एफ.सी.टी.एस. का डिजाइन ऐसा होगा, जो कचरे को प्राथमिक संग्रहण वाहनों से उतारने में कम से कम समय लें और कूड़ा करकट इधर-उधर न फैले।

(xviii) ठोस कचरे को स्थानांतरित करते समय एम.टी.एस और एफ.सी.टी.एस. के इर्द गिर्द रिसे हुए कचरे को साफ किया जाना चाहिए, ताकि कोई रिसाव न बचे। ऐसे स्थान पर सफाई प्रक्रिया पूरी होने के बाद संक्रमण विरोधी पदार्थ इस्तेमाल किए जाने चाहिए।

(xvii) नगरपालिका परिषद चिन्वालीसौड अथवा उसकी निर्दिष्ट एजेंसी सभी द्वितीयक संग्रहण केंद्रों पर सी.सी.टी.वी. कैमरे भी लगाये जाने की व्यवस्था कर सकती है।

अध्याय-6

ठोस कचरे की प्रोसेसिंग

8. ठोस कचरे की प्रोसेसिंग :-

(i) नगरपालिका परिषद चिन्वालीसौड ठोस कचरा प्रोसेसिंग केंद्रों और सम्बद्ध ढांचे के निर्माण, प्रचालन और रख-रखाव की स्वयं व्यवस्था करेगा अथवा किसी एजेंसी के द्वारा इस कार्य को अंजाम देगा, ताकि ठोस कचरे के विभिन्न घटकों का अनुकूलतम उपयोग किया जा सके। इसके लिए निम्नांकित प्रौद्योगिकीयों सहित उपयुक्त प्रौद्योगिकी अपनाई जाएगी और शहरी विकास मंत्रालय द्वारा समय समय पर जारी दिशा-निर्देशों और केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा निर्धारित मानकों का अनुपालन किया जायेगा :-

(क) दुलाई की लागत और पर्यावरणीय दुष्प्रभावों को निम्नवत रखने के लिए विकेंद्रीकृत प्रोसेसिंग को वरीयता दी जाएगी, जैसे बायो-मिथेनेशन, माइक्रोवियल कम्पोस्टिंग, वर्मी कम्पोस्टिंग, एनायरोबिक डाइजेशन अथवा जैव अपघटीय कचरे की जैव-स्थिरता के लिए कोई अन्य उपयुक्त प्रोसेसिंग पद्धति;

(ख) केन्द्रीकृत स्थलों पर स्थित मध्यम/बड़े कम्पोस्टिंग/बायो-मिथेनेशन प्लांटों के जरिए;

(ग) कचरे से ऊर्जा प्रक्रियाओं के जरिए, ठोस कचरा आधारित बिजली संयंत्रों को कचरे के ज्वलनशील अंश के लिए रिफ्यूज डेराइव्ड ईंधन के रूप में अथवा फीड स्टॉक आपूर्ति के रूप में ईंधन प्रदान करते हुए;

(घ) निर्माण और विध्वंस कचरा प्रबंधन प्लांटों के जरिए।

(ii) नगरपालिका परिषद चिन्वालीसौड रिफ्यूज डेराइव्ड फ्यूल (आर.डी.एफ.) की खपत के लिए बाजार सृजित करने का प्रयास करेगा।

(iii) कचरे से बिजली बनाने वाले प्लांट में सीधे भस्मीकरण के लिए कचरे का पूर्ण पृथक्कीकरण अनिवार्य होगा और ऐसा करना सम्बद्ध अनुबंधों की कार्यशर्तों का हिस्सा होगा।

(iv) नगरपालिका परिषद चिन्वालीसौड सुनिश्चित करेगा कि कागज, प्लास्टिक, धातु, कांच, कपड़ा आदि रिसाईक्लिंग योग्य पदार्थ रिसाईक्लिंग करने वाली अधिकृत एजेंसियों को भेजा जाए।

9. ठोस कचरे की प्रोसेसिंग के लिए अन्य दिशा-निर्देश:-

(i) नगरपालिका परिषद चिन्वालीसौड सभी निवासी कल्याण संगठनों, समूह आवास समितियों, बाजारों, द्वारबंद समुदायों और 5000 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्र रखने वाले संस्थानों, सभी होटलों एवं रेस्त्राओं, बैक्वेट हालों और इस तरह के अन्य स्थलों पर यथासंभव कम्पोस्टिंग अथवा बायो-मिथेनेशन के जरिए जैव अपघटीय कचरे वाले अन्य कचरा उत्सर्जकों को भी जैव अपघटीय कचरे की स्व-स्थाने प्रोसेसिंग को वरीयता दी जाएगी।

(ii) नगरपालिका परिषद चिन्वालीसौड यह नियम प्रवृत्त करेगा कि सब्जी, फल, मांस, पोल्ट्री और मछली व्यापार मंडियां अपने जैव अपघटीय कचरे की प्रोसेसिंग करते समय स्वच्छ स्थितियां बनाए रखना सुनिश्चित करें।

(iii) नगरपालिका परिषद चिन्वालीसौड यह नियम प्रवृत्त करेगा कि बागवानी, उद्यानों और पार्कों से उत्सर्जित कचरे का निपटान अलग से यथासंभव पार्कों और उद्यानों में ही किया जाए।

(iv) नगरपालिका परिषद चिन्वालीसौड कचरा प्रबंधन में समुदाय को शामिल करने और घर पर ही

कम्पोस्टिंग बायो गैस उत्पादन आनुवांशिक स्तर पर कचरे की विकेंद्रीकृत प्रोसेसिंग को प्रोत्साहित करेगा।

अध्याय-7

ठोस कचरे का निपटान

10. ठोस कचरे का निपटान

नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड अपशिष्ट कचरे और गलियों में झाड़ू लगाने से उत्सर्जित कचरे तथा नालियों से निकलने वाली गाद का निपटान एस.डब्ल्यू.एम. नियमों के अंतर्गत निर्धारित ढंग और तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य कानून द्वारा लागू किए गए किसी अन्य दायित्व के अनुरूप करने के लिए स्वयं अथवा किसी अन्य एजेंसी के जरिए सेनिटरी लैंडफिल और सम्बद्ध ढाँचे का निर्माण, प्रचालन और रख-रखाव करेगा।

अध्याय-8

इस्तेमालकर्ता शुल्क और स्थल पर ही जुर्माना/दंड लगाना

11. ठोस कचरे का संग्रहण, ढुलाई, निपटान के लिए इस्तेमालकर्ता शुल्क:-

(क) कचरा उत्सर्जकों से कचरा संग्रहण, ढुलाई और निपटान हेतु सेवाएं प्रदान करने के लिए नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड द्वारा इस्तेमालकर्ता शुल्क निर्धारित किया जाएगा। इस्तेमालकर्ता शुल्क की दरें अनुसूची-1 में निर्दिष्ट हैं।

(ख) कचरा उत्सर्जकों से निर्धारित इस्तेमालकर्ता शुल्क की वसूली नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड स्वयं अथवा अध्यक्ष/अधिसी अधिकारी द्वारा अधिकृत एजेंसी या अधिकृत व्यक्ति द्वारा की जाएगी।

(ग) नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड इन उपनियमों की अधिसूचना की तारीख से 3 माह के भीतर, इस्तेमालकर्ता शुल्क लगाने के प्रयोजन के लिए कचरा उत्सर्जन का डाटाबेस तैयार करेगा और इस्तेमालकर्ता शुल्क की बिलिंग/संग्रह/वसूली के लिए समुचित व्यवस्था विकसित करेगा। डाटाबेस को नियमित रूप से अद्यतन बनाया जाएगा।

(घ) नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड ऑनलाइन भुगतान के सहित इस्तेमालकर्ता शुल्क की वसूली के लिए विभिन्न पद्धतियां अपनाएगा।

(ङ) इस्तेमालकर्ता वसूली के लिए महीने में विशेष दिन निर्धारित किए जाएंगे, जिसमें प्रत्येक महीने के पहले सप्ताह को वरीयता दी जाएगी।

(च) वार्षिक और छमाही भुगतान की प्रणाली अपनाई जाएगी। यदि इस्तेमालकर्ता शुल्क समूचे वर्ष के लिए अग्रिम अदा किया जाता है, तो ऐसे में 12 महीने के बजाय 10 महीने का शुल्क लिया जाएगा। इसी प्रकार यदि इस्तेमालकर्ता शुल्क की वसूली का भुगतान 6 महीने के लिए किया जाता है तो शुल्क की मांग की राशि छह महीने के बजाये साढ़े पांच महीने के लिए वसूल की जाएगी।

(छ) अनुसूची-1 में वर्णित इस्तेमालकर्ता शुल्क प्रत्येक परवर्ती वर्ष की पहली जनवरी से स्वतः 10 प्रतिशत बढ़ जाएगा।

(ज) इस्तेमालकर्ता शुल्क की वसूली केवल सक्षम प्राधिकारी द्वारा एक सामान्य या विशेष आदेश के जरिए अधिकृत संस्थान/व्यक्ति द्वारा की जाएगी।

(झ) इस्तेमालकर्ता शुल्क के भुगतान में चूक होने के मामले में सक्षम प्राधिकारी द्वारा चूककर्ता से उसकी वसूली भू-राजस्व के माध्यम से बकायादार की भांति वसूल की जायेगी।

12. एस.डब्ल्यू.एम. नियमों के उल्लंघन के लिए जुर्माना/दंड :-

(क) एस.डब्ल्यू.एम. नियमों अथवा इन उप-नियमों के किसी भी प्रावधान के उल्लंघन अथवा अनुपालन करने में विफलता के लिए इन उप-नियमों के परिशिष्ट में दी गई अनुसूची 2 में वर्णित अनुसार जुर्माना लगाया जाएगा।

(ख) उपरोक्त खंड (क) में वर्णित अनुसार उल्लंघन या गैर-अनुपालन की स्थिति बार बार आने पर ऐसी प्रत्येक चूक के लिए जुर्माना प्रतिदिन या महिना, जो भी लागू हो, के अनुसार लगाया जाएगा।

(ग) जुर्माना या दंड लगाने हेतु निर्दिष्ट/प्राधिकृत अधिशासी अधिकारी, सफाई निरीक्षक, कर निरीक्षक, कर्मचारी एवं सब इन्स्पेक्टर थाना/चौकी प्रभारी होंगे तथा जिला मजिस्ट्रेट या अध्यक्ष के सामान्य या विशेष आदेश के अधीन अन्य अधिकारियों को भी नामित कर सकते हैं। जुर्माना/दंड राशि अनुसूची-2 में दी गई है।

(घ) अनुसूची 2 में वर्णित जुर्माना अथवा दंड राशि प्रत्येक परवर्ती वर्ष की पहली जनवरी से स्वतः 5 प्रतिशत बढ़ जाएगी।

(ङ) निर्दिष्ट/प्राधिकृत अधिकारियों द्वारा जुर्माना भौके पर लगाया और वसूल किया जाएगा। जुर्माने का

जायेगी एवं मामले में पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के प्रावधानों के अंतर्गत निर्धारित अभियोजन की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

अध्याय-9 प्रतिभागियों के दायित्व

13. कचरा उत्सर्जकों के दायित्व :-

(i) कूड़ा फेंकने पर पाबंदी

(क) किसी सार्वजनिक स्थल पर कूड़ा फैलाना : अधिकृत सार्वजनिक या निजी कूड़ादानों के अतिरिक्त कोई व्यक्ति किसी सार्वजनिक स्थल पर कूड़ा नहीं फैलाएगा। कोई व्यक्ति विशेष प्रयोजन के लिए प्राविधान किए गए सार्वजनिक केंद्रों या सुविधाओं को छोड़कर किसी सार्वजनिक स्थल पर वाहनों की मरम्मत, वर्तन या कोई अन्य उपकरण धोने/साफ करने का काम नहीं करेगा या किसी प्रकार का संग्रहण नहीं करेगा।

(ख) किसी संपत्ति पर कूड़ा फैलाना : अधिकृत निजी अथवा सार्वजनिक कूड़ेदानों के सिवाय कोई व्यक्ति किसी मुक्त या रिक्त संपत्ति पर कूड़ा नहीं डालेगा।

(ग) वाहनों से कूड़ा फेंकना : किसी वाहन के ड्राइवर या यात्री के रूप में कोई व्यक्ति किसी गली, सड़क, फुटपाथ, खेल के मैदान, उद्यान, ट्रैफिक आइलैंड या अन्य सार्वजनिक स्थान पर कूड़ा नहीं फेंकेगा।

(घ) मालवाहक वाहन से गंदगी डालना : कोई भी व्यक्ति तब तक किसी ट्रक या अन्य मालवाहक वाहन को नहीं चलाएगा, जब तक कि ऐसे वाहन का निर्माण और लदान इस प्रयोजन के लिए अधिकृत न किया गया हो ताकि सड़क, फुटपाथ, खेल का मैदान, उद्यान, ट्रैफिक आइलैंड या अन्य सार्वजनिक स्थलों पर कोई लोड, पदार्थ अथवा गंदगी डालने से रोका जा सकें।

(ङ) स्वयं/पालतू पशुओं से गंदगी : कुत्ता, बिल्ली/सुअर आदि पालतू जानवरों के मालिकों का यह भी दायित्व होगा कि गली अथवा किसी सार्वजनिक स्थल पर ऐसे जानवरों द्वारा उत्सर्जित किसी प्रकार की गंदगी को तत्काल उठाएगा/साफ करेगा और इस तरह के उत्सर्जित कचरे के समुचित निपटान के लिए समुचित उपाय करेगा, जिनमें स्वयं की सीवेज प्रणाली से निपटान को वरीयता दी जाएगी।

(च) नालियों आदि में कचरे का निपटान : कोई व्यक्ति किसी नाली/नदी/खुले तालाब/जल निकायों में गंदगी नहीं डालेगा।

(ii) कचरे को जलाना : सार्वजनिक स्थानों पर या निजी स्थान पर या निषेध सार्वजनिक सम्पत्ति पर ठोस कचरे के किसी भी प्रकार के जलाने द्वारा निपटान निषेध होगा।

(iii) "स्वच्छ क्षेत्र" : प्रत्येक व्यक्ति यह प्रयास करेगा कि उसके स्वामित्व या कब्जे वाले परिसर के सामने कोई भी सार्वजनिक स्थान अथवा आसपास का क्षेत्र स्वच्छ रहें। इन स्थानों में फुटपाथ और खुली नालियां/गटर, सड़क किनारा शामिल है, जो किसी भी तरह ठोस या तरल कचरे से मुक्त होने चाहिए।

(iv) सार्वजनिक सभाओं और किसी कारण (जुलूस, प्रदर्शनियां, सर्कस, मेले, राजनैतिक रैलियां, वाणिज्यिक, धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, विरोध प्रदर्शन और प्रदर्शन आदि सहित) से सार्वजनिक स्थलों पर आयोजित की जाने वाली गतिविधियों, जिनमें पुलिस विभाग और/या नगर पालिका से अनुमति अपेक्षित हो, के मामले में ऐसी गतिविधियों के आयोजनकर्ता का यह दायित्व होगा कि वह उस क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों की स्वच्छता सुनिश्चित करें।

(v) ऐसे आयोजनों के मामले में आयोजक से नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड द्वारा अधिसूचित रिफंड योग्य स्वच्छता धरोहर राशि सम्बद्ध अधिशासी अधिकारी अथवा उनके द्वारा नामित द्वारा प्राप्त की जाएगी, जो कार्यक्रम की अवधि में उसके पास जमा रहेगी। यह जमा राशि कार्यक्रम पूरा होने के बाद रिफंड की जाएगी लेकिन उससे पहले यह जांच की जाएगी कि उक्त सार्वजनिक स्थल की स्वच्छता बहाल कर दी गई हैं। यह धरोहर राशि सार्वजनिक स्थल की स्वच्छता के लिए होगी और इसमें संपत्ति को पहुंचाई गई किसी भी प्रकार की क्षति का हर्जाना नहीं होगा। यदि आयोजनकर्ता, कार्यक्रम के आयोजन के परिणाम स्वरूप उत्सर्जित कचरे की सफाई, संग्रहण और ढुलाई में नगरपालिका की सेवाएं प्राप्त करना चाहते हो, तो उन्हें नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड के सम्बद्ध अधिशासी अधिकारी को आवेदन करना होगा तथा इस प्रायोजन के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा तय किया गया अपेक्षित शुल्क जमा करना होगा।

(vi) खाली प्लांट पर ठोस कचरा डम्प करने और गैर-निर्दिष्ट स्थानों पर निर्माण और विध्वंस कचरा डाले जाने की स्थितियों से नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड निम्नांकित ढंग से निपटेगा :-

(क) नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड किसी परिषद के मालिक/अधिभोगी को नोटिस भेज सकता है,

(ख) यदि नोटिस पाने वाला व्यक्ति नोटिस में वर्णित अपेक्षाएँ पूरी करने में विफल रहता है, तो ऐसे व्यक्ति को समय समय पर निर्धारित दंड का भुगतान करना होगा।

(ग) यदि नोटिस पाने वाला व्यक्ति नोटिस में वर्णित अपेक्षाओं का अनुपालन करने में विफल रहता है तो नगरपालिका परिषद चिन्थालीसौड निम्नांकित कार्यवाही कर सकती है :-

(vi) ऐसे परिसर में प्रवेश कर कंचरे को साफ करना, और (ii) अधिभोगी से कंचरा साफ करने पर किए गए व्यय को वसूल करेगा।

(vii) डिस्पोजेबल उत्पादों और सेनिटरी नेपकिन तथा डायपर्स के विनिर्माताओं या मालिकों का दायित्व :

(क) डिस्पोजेबल उत्पादों जैसे टिन, कांच, प्लास्टिक पैकेजिंग आदि के सभी विनिर्माताओं अथवा नगरपालिका परिषद चिन्थालीसौड के अधिकार क्षेत्र में आने वाले बाजारों में ऐसे उत्पाद प्रारंभ करने वाले ब्रैंड मालिकों को कंचरा प्रबंधन प्रणाली के लिए नगरपालिका परिषद चिन्थालीसौड को आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करनी होगी। नगरपालिका परिषद चिन्थालीसौड इस प्राविधान के लिए केन्द्र सरकार/राज्य सरकार के सम्बद्ध विभागों के साथ समन्वय कर सकती है।

(ख) ऐसे सभी ब्रैंड मालिकों को, जो गैर-जैव अपघट्य पैकेजिंग सामग्री में अपने उत्पाद बेचते या विपणन करते हैं, उन्हें ऐसी प्रणाली कायम करनी होगी, जिसमें उनके उत्पादन के कारण उत्सर्जित पैकेजिंग कंचरे को वापस लिया जा सके।

(ग) सेनिटरी नेपकिन और डायपर्स विनिर्माता या ब्रैंड मालिक या विपणन कंपनियाँ इस बात की संभावनाओं का पता लगाएंगी कि उनके उत्पादों में सभी रिसाइकिल योग्य पदार्थों का इस्तेमाल किस हद तक किया जा सकता है अथवा वे अपने सेनिटरी उत्पादों के पैकेट के साथ एक ऐसा पाउच या रैपर उपलब्ध कराएंगी, जिनसे नेपकिन या डायपर का निपटान किया जा सके।

(घ) ऐसे सभी विनिर्माता, ब्रैंड मालिक या विपणन कंपनियाँ अपने उत्पादों की रैपिंग और डिस्पोजल के लिए लोगों को शिक्षित करेगी।

14. नगरपालिका परिषद चिन्थालीसौड के दायित्व :

(i) नगर पालिका परिषद अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले भूभाग में सभी साझा गलियों/मार्ग, सार्वजनिक स्थलों, अस्थाई बस्तियों, मलिन क्षेत्रों, बाजारों, स्वयं के उद्यानों, बागों, नालियों आदि की सफाई की नियमित प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होगी। वह इसके लिए मानव संसाधन और मशीनें लगाएगा तथा घोषित संग्रहण कंटेनर से कंचरा एकत्र करने और उसे हर रोज बंद वाहनों में अंतिम निपटान स्थल तक पहुंचाने के लिए बाध्य होगा, जिसके लिए नगर पालिका परिषद अपने सफाई स्टाफ और वाहनों के अलावा, अनुबंध के आधार पर प्राइवेट पार्टियों को काम पर लगा सकता है, अथवा सरकारी-निजी भागीदार व्यवस्था का सहारा ले सकता है। इसके अतिरिक्त नगर पालिका परिषद सभी वाणिज्यिक क्षेत्रों ऐसे वाणिज्यिक क्षेत्रों की पहचान करेगा, जिनमें दिन में दो बार झाड़ू लगाने की आवश्यकता हों।

(ii) नगर पालिका परिषद अथवा उसके द्वारा संलग्न अधिकृत एजेंसी सार्वजनिक मार्गों, रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों, धार्मिक स्थलों और वाणिज्यिक क्षेत्रों आदि के आसपास पर्याप्त संख्या में और पर्याप्त आकार के कूड़ेदानों का रख रखाव करेगा।

(iii) नगर पालिका परिषद विकेंद्रीकृत और नियमित ढंग से ठोस कंचरा प्रबंधन गतिविधियों के प्रयोजन के लिए प्रत्येक वार्ड में एक वार्ड अधिकारी निर्दिष्ट करेगा, ताकि वह कंटेनरों, सार्वजनिक शौचालयों, सामुदायिक शौचालयों अथवा सार्वजनिक स्थलों पर बने पेशाबघरों, सार्वजनिक कंचरे के लिए बनाए ट्रांसफर स्टेशन, लैंडफिल प्रोसेसिंग यूनिटों आदि स्थानों की निगरानी रख सके।

(iv) सक्षम प्राधिकारी ठोस कंचरे के प्रथक्करण, संग्रह, ढुलाई, प्रसंस्करण और निपटान कार्यों की प्रगति पर निगरानी रखने के लिए पर्याप्त संख्या में वरिष्ठ अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त करेगा, जिसमें कम से कम अपर नगर आयुक्त/अधिशासी अधिकारी/स्वास्थ्य एवं सफाई निरीक्षक या समकक्ष रैंक के अधिकारियों को वरीयता दी जाएगी।

(v) प्रत्येक वार्ड निर्धारित मानदंड के आधार पर स्वीपिंग बीट्स में विभाजित किया जाएगा और उसमें तदनुसृत कार्मिक तैनात किए जाएंगे या वर्तमान तैनाती सुव्यवस्थित बनाया जाएगा तथा अद्यतन प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करते हुए उनके काम पर निगरानी रखी जाएगी। नगर पालिका परिषद जहां कहीं अपने स्टाफ से स्वीपिंग कराने में असमर्थ होगा, तो वह अनुबंध के जरिए बाहरी एजेंसियों से यह काम करा सकता है। नगर पालिका परिषद का निरीक्षण दिशा निर्देशों के अनुसार निर्धारित दैनिक आधार पर सुपरवाइजिंग

(vii) नगर पालिका परिषद सूचना, शिक्षा और संचार (आईसीसी) अभियान के माध्यम से जागरूकता और संवेदनशीलता पैदा करेगा तथा कचरा उत्सर्जकों और अन्य हितभागियों को एसडब्ल्यूएम नियमों और इन उप-नियमों के विभिन्न प्रावधानों के बारे में प्रशिक्षित करेगा, जिसमें इस्तेमालकर्ता शुल्क और जुर्माना/दंड संबंधी प्रावधानों की जानकारी पर विशेष बल दिया जाएगा।

(viii) नगर पालिका परिषद कचरा उत्सर्जकों को इस बात के लिए प्रोत्साहित करेगा कि वे गीले कचरे का स्रोत पर ही उपचार करे। नगर पालिका विकेंद्रीकृत प्रौद्योगिकियों, जैसे बायो-मिथेनेशन, कम्पोस्टिंग आदि अपनाने के लिए प्रोत्साहन देने पर भी विचार कर सकता है। इन प्रोत्साहनों में परिवारों, निवासी कल्याण संगठनों और संस्थानों आदि को पुरस्कृत और सम्मान प्रदान करना, उनके नाम सम्बद्ध वेबसाइटों में प्रकाशित करना अथवा संपत्ति कर आदि में छूट प्रदान करना शामिल हो सकते हैं।

(ix) नगर पालिका परिषद स्वयं द्वारा रख रखाव किए जा रहे सभी पार्को, उद्यानों और जहां कहीं संभव हो, अपने अधिकार क्षेत्र वाले अन्य स्थानों पर चरणबद्ध तरीके से रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग समाप्त करेगा और उनमें कम्पोस्ट का इस्तेमाल करेगा। अनौपचारिक कचरा रीसाइकलिंग क्षेत्र द्वारा किए जाने वाले रीसाइकलिंग उपायों के लिए प्रोत्साहन भी प्रदान किए जा सकते हैं।

(x) नगर पालिका परिषद ठोस कचरा प्रबंधन प्रणालियों को सुचारु और औपचारिक बनाने के उपाय करेगा और यह प्रयास करेगा कि कचरा प्रबंधन में अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों (कचरा बीनने वालों) को वरीयता दी जाए, ताकि उनके कार्य स्थितियों को उन्नत बनाया जा सके और उन्हें ठोस कचरा प्रबंधन की औपचारिक प्रणाली में समाहित एवं एकीकृत किया जा सकें।

(xi) नगर पालिका परिषद यह सुनिश्चित करेगा कि स्वच्छता सेवा के सुविधा प्रदाता द्वारा अपने उन श्रमिकों को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण सहित वर्दी, फ्लोरेसेंट जैकेट, दस्ताले, रेनकोट, समुचित फुटवेयर और मास्क प्रदान किए जाएं, जो ठोस कचरा परिचालन कार्य करते हैं और यह भी कि ऐसे श्रमिकों द्वारा इन वस्तुओं का इस्तेमाल किया जाए।

(xii) नगर पालिका परिषद कचरे के संग्रहण, परिवहन और परिचालन में शामिल स्वयं और बाहरी एजेंसी के स्टाफ की व्यवसायिक सुरक्षा सुनिश्चित करेगा और इसके लिए उन्हें व्यक्तिगत संरक्षा के उपयुक्त और समुचित उपकरण प्रदान करेगा।

(xiii) किसी ठोस कचरा प्रोसेसिंग या उपचार या निपटान केंद्र अथवा लैंडफिल साइट पर कोई दुर्घटना होने की स्थिति में, उस केंद्र का प्रभारी अधिकारी तत्काल नगर पालिका को रिपोर्ट करेगा, जो स्थिति की समीक्षा करने के बाद उस केंद्र के प्रभारी अधिकारी को आवश्यक निर्देश जारी करेगा।

(xiv) नियमित जांच : अध्यक्ष द्वारा प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी वार्ड के विभिन्न भागों और ठोस कचरे के संग्रहण, ढुलाई, प्रोसेसिंग और निपटान से संबंधित अन्य स्थानों की नियमित जांच करेगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एसडब्ल्यूएम नियमों और इन उप-नियमों के विभिन्न प्रावधानों का पालन हो रहा है।

(xv) नगर पालिका परिषद अपने मुख्यालय में कॉल सेंटर की स्थापना के जरिए सार्वजनिक शिकायत निवारण प्रणाली (पीजीआरएस) विकसित करेगा। इस पीजीआरएस में एसएमएस आधारित सेवा, मोबाइल अप्लीकेशन अथवा वेब आधारित सेवाएं शामिल हो सकती हैं।

(xvi) नगर पालिका परिषद एसडब्ल्यूएम नियमों और उप-नियमों के कार्यान्वयन से सम्बद्ध कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज करने के लिए कार्ड प्रौद्योगिकियों/आईसीटी प्रणाली कायम करेगा तथा ऐसी प्रणाली को वेतन/दिहाड़ी/परिश्रमिक के साथ एकीकृत करने के प्रयास करेगा।

(xvii) पारदर्शिता और सार्वजनिक पहुंच : अधिक पारदर्शिता और सार्वजनिक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए नगर पालिका परिषद अपनी वेबसाइट से सारी आवश्यक सूचनाएं प्रदान करेगा।

(xviii) नगर पालिका एसडब्ल्यूएम नियमों में वर्णित सभी अन्य दायित्व पूरे करेगा, जो इन उपनियमों में विशेष रूप से उल्लिखित नहीं किए गये हैं।

अध्याय-10

विविध

नगर पालिका परिषद अपने मुख्यालय में कॉल सेंटर की स्थापना के जरिए सार्वजनिक शिकायत निवारण प्रणाली (पीजीआरएस) विकसित करेगा। इस पीजीआरएस में एसएमएस आधारित सेवा, मोबाइल अप्लीकेशन अथवा वेब आधारित सेवाएं शामिल हो सकती हैं।

16. सरकारी निकायों के साथ समन्वय : नगर पालिका अन्य सरकारी एजेंसियों और प्राधिकरणों के साथ समन्वय करेगा, ताकि इन उपनियमों का अनुपालन ऐसे निकायों के अधिकार क्षेत्र या नियंत्रण में आने वाले इलाकों सुनिश्चित किया जा सके। कोई कठिनाई होने की स्थिति में उत्तराखण्ड सरकार के मुख्य सचिव के समक्ष विचारार्थ रखा जाएगा।

17. सक्षम प्राधिकारी ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2016 और इन उप-नियमों के समुचित कार्यान्वयन के लिए समय समय पर सामान्य या विशेष आदेश जारी कर सकते हैं

अनुसूची-1

ठोस कचरा प्रबंधन के लिए इस्तेमालकर्ता शुल्क

1	2	3
क्र सं	अपशिष्ट उत्पादक की श्रेणी/अपशिष्ट का प्रकार	प्रतिमाह सेवा शुल्क(यूजर चार्ज रुपये में)
1.	गरीबी रेखा से नीचे के घर(बी.पी.एल कार्ड धारक)	कच्ची झोपड़ी रु 10.00, पक्का मकान रु 0- 20.00
2.	कम आय वाले घर(बी.पी.एल कार्ड धारक के अतिरिक्त रु 5000.00 प्रतिमाह तक की आय वाले घर)	रु 30.00
3.	मध्यम आय वाले घर (रु 5000.00 से अधिक रु 10000.00 तक प्रतिमाह आय वाले घर)	रु 50.00
4.	उपरोक्त के अतिरिक्त ऐसे घर/प्रतिष्ठान/व्यक्ति जहां से कूड़ा संग्रहकर्ता द्वारा कूड़ा एकत्रित किया जायेगा।	रु 200.00
5.	उपरोक्त के अतिरिक्त ऐसे घर/प्रतिष्ठान/व्यक्ति जिनके द्वारा जैविक कूड़े से कम्पोस्टिंग खाद तैयार की जायेगी।	पालिका के स्तर से निर्धारण किया जायेगा
6.	सब्जी एवं फल की दुकानें/ठेली	ठेली व फेरी में रु 100 प्रतिमाह, सब्जी एवं फल की दुकान पर रु 500.00 प्रतिमाह
7.	मांस एवं मछली विक्रेता	न्यूनतम 500 रु 10 कि०ग्रा० तक, उससे अधिक पर रु 10 अतिरिक्त प्रति कि०ग्रा० की बढ़ोतरी पर प्रतिमाह
8.	रेस्टोरेन्ट	छोटे रु 500.00, मध्यम रु 600.00 तथा बड़े रु 1500.00 प्रतिमाह
9.	होटल/लॉजिंग/गेस्ट हाऊस	20 बेड तक रु 500.00, 21 बेड से 40 बेड तक रु 800.00 एवं 41 से अधिक बेड तक रु 1500.00 प्रतिमाह
10.	धर्मशाला	10 कमरे तक रु 400 प्रतिमाह, 10 से उपर रु 600 प्रतिमाह
11.	बारातघर(चेरिटेबिल) बारातघर(नॉन-चेरिटेबिल)	रु 500.00 प्रति उत्सव रु 1200.00 प्रति उत्सव
12.	बेकरी	रु 500.00 प्रतिमाह
13.		50 कर्मचारियों तक रु 300.00, 51 से 100 कर्मचारियों तक रु 600.00, 101 से 300 कर्मचारियों तक रु 800.00 तथा उससे अधिक कर्मचारियों वाले कार्यालय से रु 1000.00 उपरोक्त दर

		20.00 प्रति बेड अतिरिक्त प्रतिमाह
15.	स्कूल/शिक्षण संस्थाएं(अनावासीय)	500 विद्यार्थियों तक रु1000.00, उससे अधिक रु1500.00 प्रतिमाह
16.	हॉस्पिटल/नर्सिंग होम (बायोमेडिकल वेस्ट को छोड़कर)	20 बेड तक रु 1000, 21 बेड से 40 बेड तक रु2000.00 एवं 41 से 100 बेड तक रु 3000.00, उससे अधिक रु 20000.00 प्रतिमाह
17.	क्लीनिक/पैथोलोजी	क्लीनिक रु 300.00, पैथोलोजी रु 500.00 प्रतिमाह
18.	दुकान/चाय की दकान	मौहल्ले की छोटी दुकान रु 50.00, बाजार की दुकान रु 100.00, शोरूम रु 500.00, छोटे मॉल रु 1000.00, बहुमंजिला मॉल रु 2000.00, अपने मकान के कमरे में खुली छोटी दुकान रु 100.00 प्रतिमाह
19.	फैक्ट्री	छोटी रु 600.00, मध्यम रु 1000.00, बड़ी रु 1000.00 प्रतिमाह
20.	वर्कशॉप	छोटी रु 200.00, बड़ी रु 500.00 प्रतिमाह
21.	कबाडी	छोटी रु 300.00, बड़ी रु 500.00 प्रतिमाह
22.	जूस/गन्ने का रस विक्रेता	रु 300.00 प्रतिमाह अथवा 10 रु0 प्रतिदिन
23.	सार्वजनिक/निजी स्थलों पर सर्कस/प्रदर्शनी/विवाह आदि आयोजन जिनमें अपशिष्ट उत्पन्न हो	प्रति उत्सव रु 1000.00 विवाह होटलों में, सर्कस/प्रदर्शनी रु 1000.00 प्रतिदिन, विवाह सड़क/निजी/सार्वजनिक स्थल पर रु 1500.00 प्रति उत्सव
24.	ढहान तथा निर्माण सम्बन्धी अपशिष्ट	0.50घन मी0 तक रु 200.00, 1.0घन मी0 तक रु 400.00, 3.0घन मी0 तक रु 1000.00, 6.0घन मी0 तक रु 2000.00, इससे अधिक प्रतिघन मी0 रु 200.00 अधिक
25.	सिनेमा हॉल	रु 500.00 प्रतिमाह
26.	वॉइन शॉप	रु 500.00 प्रतिमाह
27.	जनरल स्टोर किराने की दुकान	रु 50.00 प्रतिमाह
28.	एर्जेसी/थोक विक्रेता	रु 100.00 प्रतिमाह

इस्तेमालकर्ता शुल्क/प्रभार का भुगतान मांग जारी होने से 30 दिन के भीतर न किए जाने की स्थिति में इस्तेमालकर्ता शुल्क/प्रभार पर 10 प्रतिशत की दर से विलम्ब भुगतान/प्रभार (एलपीएससी) लगाया जाएगा।

अनुसूची-2
जुर्माना/दंड

क्र सं	नियम/उप नियम संख्या	अपराध	निम्नांकित पर लागू	प्रत्येक चूक के लिए जुर्माना (रुपये में) प्रतिबार
1.	एसडब्ल्यूएम नियमों का नियम 4(1)(क)	कचरे को पृथक् करने और संग्रह करने तथा पृथक्कृत कचरे को इन नियमों के अनुसार सौंपने में विफल रहना	आवासीय बल्क जनरेटर 5000 मीटर से कम क्षेत्र वाले विवाह/पार्टी हाल, फेस्टिवल हाल, पार्टी लान, प्रदर्शनी और मेले स्थल	200.00 500.00 10,000.00

			पब्ल, सामुदायिक हॉल, मल्टीप्लेक्सेज और अन्य ऐसे स्थान	
			5000 मीटर से कम क्षेत्र वाले अन्य गैर-आवासीय स्थान	500.00
			फिस,मीट विक्रेता द्वारा कूड़े को पृथक्करण तरीके से न रखना	1000.00
	एसडब्ल्यूएम नियमों का नियम 4(2)	सडक/गली में 1.कूड़ा फेंकना,थूकना 2.नहाना,पेशाब करना, जानवरो को चारा खिलाना, कपडे धोना, वाहन धोना,गोबर नाली में बहाना	उल्लंघनकर्ता	रु- 200.00 से 500.00 एवं कार्यवाही उत्तराखण्ड कूड़ा फेकना एवं थूकना प्रतिषेध अधिनियम 2016 के अन्तर्गत होगी। रु- 500.00
2.	एसडब्ल्यूएम नियमों का नियम 4(1)(ख) और (घ)	नियमानुसार सेनिटरी कचरे का निपटान करने में विफल रहना। नियम के अनुसार बागवानी और उद्यान कचरे के निपटान में विफल रहना।	आवासीय	200.00
			गैर-आवासीय/बल्क जनरेटर	500.00
3.	एसडब्ल्यूएम नियमों का नियम 4(1)(ग)	नियम के अनुसार निर्माण और विध्वंस कचरे के निपटान में विफल रहना।	आवासीय	1000.00
			गैर-आवासीय/बल्क जनरेटर	5000.00
4.	एसडब्ल्यूएम नियमों का नियम 4(2), 15(ट),	ठोस कचरे को खुले में जलाना	उल्लंघनकर्ता	5000.00
5.	एसडब्ल्यूएम नियमों का नियम 4(4)	निर्धारित प्रक्रिया का अनुपालन किए बिना किसी गैर लाइसेंसीकृत स्थल पर 100 व्यक्तियों से अधिक की भागीदारी के साथ कार्यक्रम या सभा का आयोजन करना	ऐसा कार्यक्रम या सभा आयोजित करने वाले व्यक्ति अथवा ऐसा व्यक्ति जिसकी ओर से ऐसा कार्यक्रम या सभा आयोजित की गई हो और इवेंट मैनेजर यदि कोई हो, जिसने कार्यक्रम या सभा आयोजित की हो	10,000.00
6.	एसडब्ल्यूएम नियमों का नियम 4(5)	नियम के अनुसार कचरे का निपटान करने में विफल रहने वाले गली विक्रेता/वेन्डर कूड़ादान न रखने एवं कूड़े को पृथक्करण न करने,अपशिष्ट भण्डारन डिपो या पात्र या वाहन में डालने में विफल रहने पर	उल्लंघनकर्ता	200.00
				500.00

	15(छ)	त्याग/उत्सर्जित कचरे के निपटान में विफलता		
निम्नांकित उल्लंघनों के लिए महीने में केवल एक बार जुर्माना लगाया जाएगा				
8.	एसडब्ल्यूएम नियमों का नियम 4(6)	नियमों के अनुसार कचरे का निपटान में विफलता	निवासी कल्याण एसोसिएशन,आर.डब्ल्यू.एम.	10,000.00
			बाजार एसोसिएशन,संघ	20,000.00
9.	एसडब्ल्यूएम नियमों का नियम 4(7)	नियमों के अनुसार कचरे का निपटान में विफलता	द्वारबंद समुदाय	10,000.00
			संस्थान	20,000.00
10.	एसडब्ल्यूएम नियमों का नियम 4(8)	नियमों के अनुसार कचरे का निपटान में विफलता	होटल	50,000.00
			रेस्टोरेंट	20,000.00
11.	एसडब्ल्यूएम नियमों का नियम 17(2)	उत्पादन के कारण सृजित पैकेजिंग कचरे को वापस लेने की प्रणाली कायम किये बिना डिस्पोजल उत्पादों की बिक्री अथवा विपणन	विनिर्माता और/या ब्रॉड ऑनर/स्वामी	1,00,000.00
12.	एसडब्ल्यूएम नियमों का नियम 17(3)	नियमों के अनुसार उपाय करने में विफलता	विनिर्माता और ब्रॉड स्वामी और विपणन कम्पनियां	50,000.00
13.	एसडब्ल्यूएम नियमों का नियम 15(ड)	नियमों के उपाय करने, भवन योजना में अपशिष्ट संग्रहण केन्द्र स्थापित करने में विफलता	उल्लंघनकर्ता, गुप हाउसिंग सोसाईटी या मॉर्केट काम्पलेक्स आदि	50,000.00
14.	एसडब्ल्यूएम नियमों का नियम 20(ग)	गलियों, पहाडियों, सार्वजनिक स्थलो में अपशिष्ट यथा कागज, पानी की बोतल, शराब की बोतल, सोफ्ट ड्रिंक, कैन, टैट्टा पैक अन्य कोई प्लास्टिक या कागज अपशिष्ट को फैंकने पर	उल्लंघनकर्ता/पर्यटक /वाहन/चालक	1000.00
15.	एसडब्ल्यूएम नियमों का नियम 20(घ)	नगर पालिका परिषद की उप विधि को होटल/अतिथिग्रह में बोर्ड लगाकर व्यवस्था करने में विफलता	उल्लंघनकर्ता/होटल / अतिथिग्रह स्वामी	1000.00
16.		सार्वजनिक सभाओं (जलूस प्रदर्शिनियों, सर्कस,मेले,राजनैतिक रैलिया,वाणिज्यिक,धार्मिक, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, विरोध प्रदर्शन आदि सहित से सार्वजनिक स्थलो पर आयोजित गतिधियों के क्षेत्र एवं आस-पास के क्षेत्रों की स्वच्छता सुनिश्चित करने में विफलता)	आयोजनकर्ता	5000.00

एच० एस० रौतेला,

अधिकांसी अधिकारी,

नगरपालिका परिषद

श्रीमति बीना बिष्ट,

अध्यक्ष,

नगरपालिका परिषद

नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड, उत्तरकाशी

28 जनवरी, 2020 ई०

पत्रांक-464/सेप्टेज उप0प्रका0/2019-20—नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड सीमान्तर्गत उ०प्र० नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा-298 जो (उत्तराखण्ड में यथा प्रवृत्त) की उपधारा-2 खण्ड-(ज) (च) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए धारा-128 की उपधारा-1(ii)(iii) शक्तियों का प्रयोग करते हुये "फेकल सलज एवं सेप्टेज प्रबंधकीय उपनियम-2019 बनायी गयी जो नगरपालिका अधिनियम 1916 की धारा 301 (1) के अन्तर्गत जन सामान्य एवं जिन पर इस उपविधि का प्रभाव पडने वाला हो, उनसे आपत्ति एवं सुझाव 30 दिन के अन्तर्गत आमंत्रित किया गया। निर्धारित समयान्तर्गत कोई भी आपत्ति एवं सुझाव प्राप्त न होने के फलस्वरूप पालिका परिषद बोर्ड की बैठक दिनांक 25.11.2019 में अंतिम रूप से स्वीकार करते हुए उपविधि सरकारी गजट में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी मानी जाएगी।

अध्याय-1

सामान्य

1. संक्षिप्त नाम और लागू होने की तारीख :

- (1) ये उप-नियम नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड फेकल सलज एवं सेप्टेज प्रबंधकीय उपनियम- 2019 कहलाएगा।
- (2) ये उप-नियम नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड के सरकारी गजट उत्तराखण्ड में प्रकाशित होने की तारीख से प्रभावी होंगे।

4. उप-नियम नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड की सीमाओं के भीतर लागू होंगे।

1. प्रसंग:

यह महत्वपूर्ण है कि एक उचित वैज्ञानिक प्रबंध इन मामलों में/सेप्टेज का अनुपालन किया जाये ताकि सेप्टेज/फेकल सलज सेप्टिक टैंक, गड्ढे, शौचालय, से पर्यावरण, नदी एवं अन्य पानी के स्रोत प्रदूषित न हो सके।

1.1 राष्ट्रीय फेकल सलज एवं सेप्टेज प्रबंधकीय नीति:

ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार "राष्ट्रीय फेकल सलज एवं सेप्टेज प्रबंध नीति" वर्ष 2017 घोषित की है जिसमें शहर पूर्ण रूप से स्वच्छ, तंदुरुस्त और जीवित बने रहे और अच्छी सफाई भी बनी रहे। शहरी नीति का मुख्य उद्देश्य एक प्रसन्न, प्राथमिकता और दिशा निर्धारित करनी है, ताकि राष्ट्रव्यापी अनुपालन इन सेवाओं का समस्त क्षेत्र सुरक्षित और स्थायी सफाई व्यवस्था हो सके।

1.2 उत्तराखण्ड में सेप्टेज प्रबंध प्रोटोकॉल:

नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड में "उचित प्रबंध योजना या प्रोटोकॉल सीवरेज की निकासी जो कि सामान्य सैप्टिक टैंक में या बायो डाइजेस्टर में एकत्रित की जाती है, नियमित रूप से खाली की जाये और उसका उचित प्रबंध किया जाये और उसके परिणामस्वरूप खाद जो इस प्रकार से एकत्रित हुई है वह निःशुल्क किसानों में

वितरित की जायेगी। जल आपूर्ति एवं सीवरेज अधिनियम 1975/नगर पालिका अधिनियम 1916 शहरी विकास निदेशालय जो कि उत्तराखण्ड जल संस्थान के समन्वय से होगा, इसके लिये प्रोटोकॉल सेप्टेज प्रबंध तैयार किया है जो कि सचिव शहरी विकास विभाग उत्तराखण्ड सरकार द्वारा सूचित किया गया है, ताकि इसका अनुपालन शहरों/नगरों में हो सके। आदेश संख्या-597/4(2)-यू0डी0-2017-50/16, दिनांक 22.05.2017 इस नियमावली का सेप्टेज प्रबंध प्रोटोकॉल चिन्वालीसौड शहर को दिग्दर्शन कराना है, ताकि वैज्ञानिक सेप्टेज प्रबंध बना रहे, जो कि एकत्रीकरण, परिवहन, इलाज, सेप्टेज/फेकल सलज का निस्तारण और पुनः प्रयोग हो सके। इस प्रोटोकॉल के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए और आन्तरिक विभागीय समन्वय हेतु एक सेप्टेज मैनेजमेंट सेल का आयोजन किया गया है, जिसके अंतर्गत यू0एल0बी0, जल निगम, जल संस्थान होंगे।

2. नगरीय उप कानून/फेकल सलज एवं सेप्टेज प्रबंध का नियमितिकरण:
सेप्टेज प्रबंध प्रोटोकॉल के अनुसार जो कि शहरी विकास विभाग उत्तराखण्ड सरकार के शासनादेश संख्या- 597 IV(2)-श0वि0-2017-50(सा0)/16 दिनांक 22-5-2017 एवं समस्त लागू होने योग्य नियम कानून या नियमावली नगरपालिका परिषद चिन्वालीसौड नियमित ढांचा रिक्त करने, एकत्र करने परिवहन और सेप्टेज/फेकल सलज के परिवहन एवं निस्तारण हेतु जैसा कि संदर्भित है। फेकल सलज एवं सेप्टेज प्रबंध उपनियम के अंतर्गत, जो कि यहां स्वीकृत किया जाता है और इसके अनुपालन हेतु नगरपालिका परिषद चिन्वालीसौड के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत सूचित किया जाता है।

3. उद्देश्य एवं कार्यक्षेत्र:

नियमावली के उद्देश्य एवं कार्यक्षेत्र निम्नवत है:

1. निर्माण, सेप्टिक टैंक के दैनिक रख-रखाव और शौचालय के गड्ढे, परिवहन, इलाज और सुरक्षित रखरखाव, जो कि सलज और सेप्टेज से सम्बन्धित है।
2. क्षेत्र के मालिक द्वारा जो कार्य किया जाना है, उसको निर्देशित करना जो कि सेप्टिक टैंक और शौचालय के गड्ढे से और फेकल सलज एवं सेप्टेज परिवहन से सम्बन्धित है, ताकि वे इन निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कर सकें।
3. उचित निरीक्षण प्रदान करना और मशीनरी का अनुपालन।
4. लागत वसूली सुनिश्चित करना जो कि सलज के और सेप्टेज प्रबंध के उचित प्रबंध हेतु है।
5. निजी और गैर सरकारी क्षेत्र फेकल सलज एवं सेप्टेज प्रबंध में सहभागी की सुविधा देना।
4. एकत्रीकरण, परिवहन, इलाज और सेप्टेज के खुरद-बुर्द हेतु एक प्रक्रिया अपनाना:

4.1 सेप्टिक टैंक और सेप्टेज/फेकल सलज एकत्रीकरण को रिक्त करना:

- सेप्टिक टैंक की तली में जो जमा हो गया है, उसको कटाना और एक बार उसको ठीक करना, जो कि गहराई में पहुंच गया है या बारंबार के आखिर में जो डिजाइन है, जो कोई भी पहले आवे। जबकि सलज को सुखाना और सेप्टिक टैंक में जो द्रव्य है, उसको भी सुखाना। मैकेनिकल वेक्यूम टैंकर का भी उपयोग नगरीय

अधिकारियों द्वारा सेप्टिक टैंक को खाली करने हेतु उपयोग किया जाना चाहिए। सुरक्षा प्रक्रिया जैसा कि सेप्टेज प्रबंध प्रोटोकॉल में वर्णित है, को सेप्टिक टैंक के खाली करते समय और सेप्टेज के परिवहन के समय इस नियम का शख्ती से पालन किया जाना चाहिए।

4.2 सेप्टेज/फेकल सलज का परिवहन:

1. फेकल सलज और सेप्टेज ट्रांसपोर्टर वाहन के सुरक्षित परिवहन हेतु उत्तरदायी होंगे। जैसा कि समय-समय पर एस0एम0सी0 द्वारा स्वीकृत किये जायेंगे।
2. फेकल सलज और सेप्टेज परिवहन निर्माता यह आश्वासन देंगे कि:
 - अ. पंजीकृत संग्रह वाहन जिसके अंतर्गत समस्त उपकरण जो कि फेकल सलज और सेप्टेज हेतु इस्तेमाल किये जायेंगे छिद्र निरोधी होगा और सुरक्षा हेतु ताला बंद रहेगा और मानदंड का अनुपालन करेंगे।
 - ब. कोई भी टैंक और उपकरण जो फेकल सलज और सेप्टेज हेतु उपयोग में लाया जायेगा वह किसी अन्य वस्तु या द्रव्य को परिवहन हेतु इस्तेमाल नहीं किया जायेगा।

4.3 सेप्टेज का निष्पादन और इलाज:

राज्य सेप्टेज मैनेजमेंट प्रोटोकॉल के अनुसार प्रत्येक नगर की अपनी एक इकाई होगी। परन्तु इस निकाय में इकाई न होने के कारण सेप्टेज को निकाय से 35 कि0मी0 दूर अंतर्गत स्थित नजदीकी उत्तराखण्ड जल संस्थान के एस0टी0पी0 में परिवहन किया जायेगा। भविष्य हेतु एक अलग सेप्टेज ट्रीटमेंट प्लान का निर्माण हेतु भी कार्ययोजना तैयार कराने के प्रयास किये जायेंगे।

5. सुरक्षा उपाय:

1. उचित तकनीकी सयंत्र, सुरक्षा, उपकरण का प्रयोग करते हुए मल निस्तारण किया जायेगा। फेकल सलज और सेप्टेज ट्रांसपोर्टर यह आशान्वित करेंगे समस्त मल निस्तारण कर्मचारी उचित व्यवितगत सुरक्षा उपकरण जिसके अंतर्गत कंधे की लंबाई तक पूरा नियोप्रीन गलब्स, रबड़ बूट, चेहरे का मास्क और आंखों की सुरक्षा आदि समस्त उपकरण एकत्रीकरण क्षेत्र से पहले अपना लिया जायेगा। इसके लिये जागरूकता भी की जायेगी। इसके अलावा प्रथम सहायता किट, गैस का पता करने वाला लैंप और अग्निशामक यंत्र, मल निस्तारण गाड़ी में रखे जायेंगे। जब सेप्टिक टैंक और पिट लैट्रिन में काम चल रहा हो, धूम्रपान वर्जित रहेगा।

2. मल निस्तारण कार्यकर्ता सेप्टिक टैंक में और शौचालय गड्ढे में प्रवेश नहीं करेंगे और आच्छादित टैंक को हवा के लिए आना-जाना रखेंगे, जो कि इस कार्य को शुरू करने से पहले किया जाना आवश्यक होगा। बच्चों को टैंक के ढक्कन से दूर रखा जायेगा एवं टैंक के स्कू और ताले से सुरक्षित रखा जाये। कर्मचारी सावधान रहेंगे कि मल निस्तारण प्रक्रिया के समय ढक्कन पर अत्यधिक भार न हो ताकि मेन हॉल का ढक्कन टूटने से बचा रहे।

6. सेप्टेज खाली करना और वाहन के पंजीकरण का परिवहन:

6.1 यू0एल0बी0 दर्ज करेगा और लाईसेंस निर्गत करेगा निजी व्यवसायों के लिए जिनके पास मशीनीकरण खाली करना और परिवहन गाड़ी उपलब्ध हो। इस प्रकार का लाईसेंस निर्गत करने से पहले यह आशान्वित करेगा कि यह ट्रक उचित उपकरण और उचित सुरक्षा माप से सुसज्जित है। सेप्टेज ट्रांसपोर्टर और उसका पंजीकरण हेतु प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत करेगा, जो कि गाड़ियों के परिवहन हेतु होगा। ये निजी व्यक्ति को भी अपने इस कार्य में उत्साहित करेंगे। पंजीकरण प्रपत्र और परमिट परिशिष्ट-ए, 2 में संलग्न है।

6.2 कोई भी व्यक्ति या वाहन पंजीकृत सेप्टेज ट्रांसपोर्टर द्वारा प्रयोग किया जायेगा, जो कि एकत्रीकरण परिवहन और सेप्टेज के प्रयोजन हेतु है। जब तक इसका पंजीकरण सेप्टेज ट्रांसपोर्टेशन व्हीकल एस0एम0सी0 के साथ इन प्रोटोकॉलों में जब तक पंजीकृत नहीं है।

सारणी 1: पंजीकरण व्यय

अ. प्रारंभिक पंजीकरण	: रु0 2000.00 प्रति गाड़ी
ब. नवीनीकरण	: रु0 1500.00 प्रति गाड़ी

7. उपभोक्ता लागत और इसका संचय:

7.1 इस क्षेत्र के समस्त मालिक जो सेप्टिक टैंक और शौचालय के गड्ढे जिसका भुगतान उपभोक्ता करेगा जैसा कि यू0एल0बी0 में फेकल सलज और सेप्टेज उपनियम में समय-समय पर दर्शाया गया है जो कि सेप्टिक टैंक के भरने, शौचालय के गड्ढे, परिवहन और फेकल सलज एवं सेप्टेज के उपाय हेतु है।

7.2 इस क्षेत्र के समस्त मालिक जिनके अपने क्षेत्र में निरर्थक पानी के निष्कासन की प्रणाली उपलब्ध है, जो कि यू0एल0बी0 कार्य एवं शिकायत हेतु प्रमाणित है और वे भी जो कि सीवर नेटवर्क से सम्बन्धित है, उनको उपभोक्ता के भुगतान से विमुक्त किया जाता है।

7.3 यू0एल0बी0 अपनी लागत संशोधित करेगा, जो कि समय-समय पर इससे सम्बन्धित है। ऐसी उपभोक्ता लागत जिसके अंतर्गत मल निस्तारण लागत परिवहन एवं फेकल सलज और सेप्टेज के निष्कासन हेतु।

7.4 उपभोक्ता लागत क्षेत्र विशेष के स्वामी से एकत्र किये जाये जो निम्नवत है।

अ. उपभोक्ता लागत प्रत्यक्ष रूप से सम्बन्धित भवन/सेप्टिक टैंक मालिक से यू0एल0बी0 द्वारा वसूल कर यू0एल0बी0 में जमा किया जायेगा।

ब. यू0एल0बी0 किसी भी व्यक्ति को अधिकृत कर सकता है जिसके अंतर्गत फेकल सलज और सेप्टेज परिवहन जो कि उपभोक्ता लागत से एकत्र की जायेगी। जो कि उस क्षेत्र विशेष का स्वामी है और सेप्टिक टैंक और शौचालय के गड्ढे से सम्बन्धित है।

सारणी 2: उपभोक्ता लागत:-

नगरपालिका क्षेत्र में सेप्टिक टैंक एवं हर एक मकान के शौचालय गड्ढे या किसी भी शिकायत के इस आशय की शिकायत प्राप्त होने पर कि सेप्टिक टैंक ओवर-फ्लो तो नहीं हो रहा है तुरन्त नगरपालिका से सुपरवाइजर को भेज कर जांच करवायेंगे। इसके अलावा नगरपालिका में सेप्टिक टैंक को खाली कराने के आबेदन के आने पर नगरपालिका द्वारा जांच करायी जायेगी कि सेप्टिक टैंक कितना क्षेत्रफल का है

और उसके खाली कराने में कितने सीवर टैंकर के चक्कर लगेंगे। तसदीक होने पर निम्न प्रकार शुल्क वसूला जायेगा।

- 1:- नगरपालिका के सीवर टैंकर की क्षमता 4000 लीटर
 - 2:- पालिका सीमा के भीतर रु0 8000/- प्रति फेरा, तथा रु0 1000/-
STP शुल्क, कुल रु0 9000/- भवन स्वामी पालिका में शुल्क जमा करेगा। सैप्टिक टैंक में ज्यादा फिकल होने पर दूसरे फेर की स्थिति होने के कारण सम्बधित कर्मों के द्वारा सक्षम अधिकारी के अनुमोदन पश्चात दूसरे फेरे में 2000/-रु0 की छूट प्रदान की जायेगी।
 - 3:- पालिका सीमा के बाहर रु0 8000/- प्रति फेरा, तथा रु0 1000/-
STP शुल्क, रु0 1000/-, एवं रु0 500/- प्रति किमी, आधार पर भवन स्वामी पालिका में शुल्क जमा करेगा। सैप्टिक टैंक में ज्यादा फिकल होने पर दूसरे फेर की स्थिति होने के कारण सम्बधित कर्मों के द्वारा सक्षम अधिकारी के अनुमोदन पश्चात दूसरे फेरे में 2000/-रु0 की छूट प्रदान की जायेगी।
 - 4:- नगरपालिका द्वारा यह भी देखा जायेगा कि यदि कोई सैप्टिक टैंक ज्यादा ही छोटा है तो निरीक्षण पश्चात तथा यह समाधान हो जाने पर कि सम्बधित सैप्टिक टैंक में 4000 ली0 का सीवर टैंक पूर्ण नहीं भर पायेगा, उपरोक्त निर्धारित दरों में आवश्यक छूट देकर शुल्क प्राप्त कर सकते हैं।
8. मैकेनिज्म का निरीक्षण, क्रियान्वयन और मजबूती देना:
- 8.1 कोई भी व्यक्ति जो कि एस0एम0सी0/नगरीय स्थानीय संस्था द्वारा अधिकृत है, उसको पूर्ण अधिकार होगा कि वह सैप्टिक टैंक एवं हर एक मकान के शौचालय गड्ढे या सामुदायिक/संस्थागत आदि का निरीक्षण करना।
 - 8.2 मल निस्तारण का अनुपालन न करना जैसा कि उपरोक्त वर्णित है, जुर्माना अलग से लगाया जायेगा और इससे प्राप्त धनराशि नगरपालिका में जमा की जायेगी।
 - 8.3 यू0एल0बी0 और परिचारक सैप्टिक टैंक के खाली होने का अभिलेख रखेंगे।
 - 8.4 अवचेतना कार्यक्रम समय-समय पर चलायी जायेगा, जो कि प्रत्येक व्यक्ति, सरकार या निजी व्यवसायी के सैप्टिक टैंक, बायोडाइजेस्टर, मल निस्तारण सैप्टिक टैंक का, एकत्रीकरण, मशीनरी, परिवहन, निष्पादन और सेप्टेज का इलाज हेतु प्रशिक्षण होगा।

9. दंड:

दंड का ढांचा उपकरण से रहित/अकार्यशील जी0पी0एस0 प्रणाली निर्धन वर्ग की शिकायतें, फेकल सलज का एकत्र न करना और सेप्टेज ट्रीटमेंट प्लांट/आर.एन.एन.

का रजिस्ट्रीकरण न करना। सुरक्षित उपाय मल निस्तारण गाड़ियों का अनुपालन न करना।

सारणी 3: दंड

क्र. सं.	शिकायत का प्रकार	दंड या कार्यवाही प्रथम दृष्टया पकड़ी गयी वर्ष में एक बार मल निस्तारण वाहन	दंड या कार्यवाही वर्ष में दुबारा पकड़ी गयी मल निस्तारण वाहन से सम्बन्धित	दंड या कार्यवाही वर्ष में तीसरे समय पकड़ी गयी विशेष रूप से मल निस्तारण वाहन
1	लोगो की सेवा की शिकायत	2500	5000	3 महीने के लिए परमिट सेवा की शिकायत परमिट का निरस्तीकरण
2	सेप्टेज/फेकल सलज जैसा कि विशेष कार्यक्षेत्र में खाली न करने पर	1000	6 माह के लिये परमिट को स्थगित करना	
3	पंजीकरण न करना / पंजीकरण का नवीनीकरण न करना	1000	20000	आर०टी०ओ० को संस्तुति वाहन के पंजीकरण को निरस्त करने हेतु 3 महीने के लिए परमिट को स्थगित करना/ परमिट का निरस्तीकरण लिए स्थगित करना
4	विशेष सुरक्षा उपायों का पालन न करना एवम जी०पी०एस० का न लगाया जाना	5000	10000	

एच० एस० रौतेला,
अधिशाली अधिकारी,
नगरपालिका परिषद
चिन्थालीसौड।

बीना बिष्ट,
अध्यक्ष,
नगरपालिका परिषद
चिन्थालीसौड।

कार्यालय नगर पालिका परिषद लक्सर, जनपद हरिद्वार
भाग 1 अधिनियम (Regulations)

उत्तराखण्ड राज्य सेप्टेज प्रबंधन प्रोटोकॉल 2017 के अनुसार फीकल स्लज और सेप्टेज प्रबंधन
(FSSM) अधिनियम नगर पालिका परिषद लक्सर, जनपद-हरिद्वार।

08 जून, 2022 ई0

पत्रांक-209/उपनियम-/2022-23-प्रभारी सचिव उत्तराखण्ड शासन के निर्देशानुसार (Letter No 597/iv (2) के अनुसार-शा0वि0-2017- 50 (सा0) 16 दिनांक 22 मई 2017, और उत्तराखण्ड राज्य के सम्बन्धित कानूनों के अनुसार नगर पालिका परिषद लक्सर, जनपद हरिद्वार के द्वारा अपने अधिकार-क्षेत्र में फीकल स्लज और सेप्टेज प्रबंधन (FSSM) सुव्यवस्थित करने के लिए निम्नलिखित अधिनियम तैयार किया गया है:-

1- विस्तार और प्रारंभ-

यह अधिनियम नगर पालिका परिषद लक्सर जनपद-हरिद्वार फीकल स्लज और सेप्टेज प्रबंधन (FSSM) अधिनियम, 2021 कहलाएंगे। ये नगर पालिका परिषद लक्सर जनपद हरिद्वार के अधिकार क्षेत्र में/पर लागू होंगे।
 यह अधिनियम गजट में प्रकाशन के पश्चात से प्रभावी हो जाएंगे।

2- अधिकार -

यह अधिनियम निम्नलिखित कानून के प्रावधानों को कार्यान्वयन में लाने के लिए सक्षम करता है।

- a) उत्तराखंड राज्य फीकल सेप्टेज प्रबंधन प्रोटोकॉल 2017
- b) राष्ट्रीय नीति फीकल स्लज और सेप्टेज प्रबंधन (FSSM) 2017
- c) CPHEEO मैनुअल ऑन सीवरेज एंड सीवेज मैनेजमेंट 2013
- d) मॉडल बिल्डिंग उपनियम 2016 और अन्य लागू बिल्डिंग कोड।
- e) मैनुअल स्कवेनजर्स (हाथ से मैला उठाने वाले कर्मियों के नियोजन का प्रतिषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम), 2013
- f) Is Code 2470 Part I & II 1985 (Reaffirmed 1996) Code of Practice for Installation of Septic Tanks (सेप्टिक टैंक की स्थापना के लिए अभ्यास संहिता)
- g) केन्द्रीय कानून, नियम और विनियम (पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986)
- h) जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम 1974
- i) उत्तराखंड के समस्त राज्य कानून पानी और स्वच्छता से संबंधित।

3- परिभाषाये -

सेप्टेज प्रबंधन में मूल परिभाषा के लिए निम्नलिखित व्याख्याये प्रदान की गई है।

- क) फीकल स्लज- यह गड्ढे शौचालय, सेप्टिक टैंक, एक्वाप्राईवेट और ड्राईटॉयलेट जैसे ऑन साइट सैनीटेशन सिस्टम (OSS) के तल पर जमा हुआ पदार्थ है, जो कच्चा है या आंशिक रूप से पचा हुआ है और गैर-अधिनियमित रूप में होता है।

- ख) सेप्टेज- सेप्टिक टैंक या इस तरह के ऑनसाइट उपचार सुविधा से पंप की जाने वाली तरल और ठोस (मैल, स्लज और ग्रीस) पदार्थ जब यह समय के साथ जमा हो जाता है। इसमें कई रोग पैदा करने वाले जीव के साथ ग्रीस, ग्रीट, बाल और मलबे के संदूषण होते हैं।
- ग) एफ्लुएंट (Effluent) - सेप्टिक टैंक से सतह पर तैरने वाला तरल निर्वहन। इस नालियों और सीवरों के नेटवर्क में एकत्र किया जा सकता है। और उचित रूप से डिजाईन किए गए उपचार केंद्र में उपचार किया जा सकता है।
- घ) ऑन साइट सैनिटेशन सिस्टम (OSS)- स्वच्छता प्रणाली जहां मल और अपशिष्ट जल एकत्र किया जा सकता है, और उसी स्थान पर संग्रहीत या उपचारित किया जाता है। गड्ढे शौचालय और सेप्टिक टैंक इसके उदाहरण हैं।
- ङ) सेप्टिक टैंक - एक भूमिगत टैंक जो अपशिष्ट जल का उपचार ठोस पदार्थों के अवसादन (Sedimentation) और अवायवीय पाचन (Anaerobic Digestion) के माध्यम से करता है। अपशिष्ट को सोखता गड्ढों या छोटे बोर के सीवरों में डाला जा सकता है। सेप्टिक टैंक के तल पर जमा होने वाले स्लज को समय - समय पर खाली करने और उपचारित करने की आवश्यकता होती है (जब यह निर्धारित गहराई तक पहुंच जाता है या निश्चित डीस्लजिंग आवृत्ति पर (Dislodging Frequency))।
- च) डीस्लजिंग (Dislodging) - सेप्टिक टैंक, इन्टर सेप्टर टैंक या अवसादन टैंक जैसे उपचार टैंकों से स्लज/की चड्या जमा हुए ठोस पदार्थ को निकालना।
- छ) सीवेज- शौचालय से निर्वहन किया गया अपशिष्ट जल जिसमें मानव शरीर के अपशिष्ट पदार्थ (मल और मूत्र आदि) होते हैं। सेप्टिक टैंक या इस तरह की किसी भी सुविधा से निकलने वाली अपशिष्ट भी सीवेज है।
- ज) सीवेज सिस्टम- सीवेज के संग्रह के लिए भूमिगत नाली को सीवर कहा जाता है। सीवेज सिस्टम सीवर के नेटवर्क को कहलाता है, जो प्रत्येक संपत्ति से उत्पन्न सीवेज को सीवेज पंपिंग स्टेशन तक ले जाता है। जहां सही से उपचार के लिए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में पंप किया जाएगा।
- झ) उपचार (Treatment) - यह निर्दिष्ट सुविधाओं में से सेप्टेज के आगे के प्रसंस्करण को संदर्भित करता है, जिससे इस का पुनः उपयोग या सुरक्षित निपटान हो सकता है।
- ञ) सह-उपचार (Co-Treatment) - STP पर फीकल स्लज और सेप्टेज (FSS) का सह-उपचार एक उपचार प्रक्रिया है, जिसमें STP, FSS को प्राप्त करता है। इसका पूर्व- उपचार करता है। और उचित प्रक्रिया इकाइयों (Process Units) में वितरित करता है।
- ट) डीस्लजिंग और सेप्टेज परिवहन वाहन (Septage Transportation Vehicles) - वैक्यूम पंपों से युक्त वाटर-टाइट, लीक-प्रूफ टैंकर जो OSS से FSS के सुरक्षित संग्रह, इसके सुरक्षित परिवहन और निर्दिष्ट सेप्टेज उपचार सुविधाओं में इसके निपटान के लिए उपयोग किया जाता है।
- ठ) सेप्टेज मैनेजमेंट सेल (SMC) -

नगर पालिका परिषद लक्सर स्तर पर FSSM गतिविधियों की निगरानी के लिए गठित निकाय जिसमें सब-डिवीजनल मजिस्ट्रेट (SDM), अधिशासी अधिकारी (EO), उत्तराखंड जल संस्थान, उत्तराखंड पेयजल निगम, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि और अन्य तकनीकी सलाहकार शामिल हैं।

3- विषय क्षेत्र-

यह अधिनियम नगर पालिका परिषद लक्सर, जनपद-हरिद्वार की प्रशासनिक सीमा के भीतर FSSM में लगे सभी हित धारकों के लिए लागू है। ऑनसाइट सेनिटेशन सिस्टम (OSS) के स्वामी और उपयोगकर्ता, डीस्लजिंग और सेप्टेज ट्रांसपोर्टेशन ऑपरेटर, सेप्टेज उपचार और निपटान के लिए जिम्मेदार सभी एजेंसिया, शहरी स्थानीय निकाय, सेप्टेज मैनेजमेंट सेल (SMC) समेत।

4- सेप्टेज मैनेजमेंट सेल (एसओएमओसीओ) (SMC)-

उत्तराखंड राज्य सेप्टेज प्रबंधन प्रोटोकॉल 2017 के अनुसार, नगर पालिका परिषद लक्सर जनपद हरिद्वार, एक सेप्टेज मैनेजमेंट सेल (एसओएमओसीओ) SMC का गठन करेगा जिनमें निम्नलिखित सदस्य रहेंगे।

क्र० सं०	पद	सदस्य
1	सब-डिवीजनल मजिस्ट्रेट (SDM) (Sub-Division)	अध्यक्ष
2	अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद लक्सर।	सदस्य सचिव
3	उत्तराखंड जल संस्थान के प्रतिनिधि, (AE के पद से नीचे नहीं)	सदस्य
4	उत्तराखंड पेयजल निगम के प्रतिनिधि, (AE के पद से नीचे नहीं)	सदस्य सदस्य
5	राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रतिनिधि	सदस्य
6	स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि	सदस्य
7	अन्य व्यक्तियों को आमंत्रित किया जा सकता है, जो एसओ एमओ सीओ (SMC) को तकनीकी सलाह प्रदान कर सकें।	सदस्य

(ULB) नगर पालिका परिषद लक्सर और (SMC) सेप्टेज मैनेजमेंट सेल इस अधिनियम का अनुपालन सुनिश्चित करेंगे तथा इसके अंतर्गत संचालन की निगरानी करेंगे और (Non-complying actors) पालन न करने वालों पर पेनल्टी लगा सकते हैं। इस अधिनियम में निर्धारित कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए SMC की बैठक समय-समय पर आहूत की जाएगी। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद लक्सर जो सदस्य सचिव है, SMC की बैठक बुलाएंगे।

SMC की निगरानी जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता वाली निगरानी समिति (Monitoring Committee) द्वारा की जाएगी, जैसा की उत्तराखंड राज्य सेप्टेज प्रबंधन प्रोटोकॉल 2017 में उल्लिखित है।

5- ऑनसाइट सैनिटेशन सिस्टम (ओएसओएसओ) OSS का निर्माण और रख रखाव-

यह खंड ऑनसाइट सैनिटेशन सिस्टम (OSS) (जैसे की सेप्टिक टैंक, गड्ढे, बायो-डाइजेस्टर आदि) के निर्माण और रख रखाव में विभिन्न हित धारकों के कर्तव्यों और जिम्मेदारियों की रूप रेखा देता है।

5.1. ऑनसाइट सैनिटेशन सिस्टम (OSS) के स्वामी के कर्तव्य और जिम्मेदारिया -

5.1.1. सेप्टिक टैंक (OSS) का डीजाइन और निर्माण-

- स्वामी यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके परिसरों के शौचालयों में सोख गड्ढे के साथ सेप्टिक टैंक (Septic Tank with Soak pit) या अन्य (OSS) का ठीक से निर्माण किया गया है, जैसा की Is Code 2470 भाग- I-II, 1985 (Reaffirmed 1996) और CPHEEO मैनुअल, 2013 में उल्लिखित है। (अनुबंध-1)
- स्वामी यह सुनिश्चित करेंगे कि OSS का समुचित कार्य हो रहा है, ताकि मल या अपशिष्ट का स्राव, रिसना, रिसाव या अन्यथा बचने से पर्यावरण को कोई प्रदूषण न हो। इसके लिए OSS की समय-समय पर मरम्मत का काम (Repair or retrofitting) मालिक द्वारा किया जाएगा।
- स्वामी यह सुनिश्चित करेंगे कि OSS में छत का पानी, सतह-पानी, रन-ऑफ (Run-Off) या बारिश का पानी प्रवेश नहीं करेगा।
- स्वामी यह सुनिश्चित करेंगे कि OSS से अपशिष्टों (Effluents) का सुरक्षित निपटान सोख गड्ढों या सीवर नेटवर्क के माध्यम से किया जाए।

5.1.2. (OSS) को खाली कराना (डीस्लजिंग) -

- स्वामी यह सुनिश्चित करेंगे कि OSS को नियमित रूप से खाली कराएं (तीन साल में कम से कम एक बार या टैंक दो-तिहाई भरा हो, जो भी पहले हो)।
- स्वामी नगर पालिका परिषद लक्सर जनपद-हरिद्वार को सूचित करेंगे जब सेप्टिक टैंक या Containment Unit की सफाई करनी है।
- जहां स्वामी निजी डीस्लजिंग ऑपरेटर की सेवाएं ले रहे हैं, वे केवल उन ऑपरेटरों की सेवा लेंगे जिन के पास FSSM सेवाएं प्रदान करने के लिए ULB द्वारा जारी परमिट या लाइसेंस है।

5.1.3 उपभोक्ता शुल्क का भुगतान -

- नगर पालिका परिषद लक्सर जनपद हरिद्वार को लाइसेंस युक्त निजी ऑपरेटरों द्वारा FSSM सेवाओं के लिए उपभोक्ता शुल्क का उचित और समय पर भुगतान किया जाएगा। जैसा कि SMC द्वारा तय किया गया है और नगर पालिका परिषद लक्सर जनपद हरिद्वार द्वारा अधिसूचित किया गया है।

5.2. नगर पालिका परिषद लक्सर जनपद हरिद्वार के कर्तव्य एवं जिम्मेदारिया-

5.2.1. OSS रजिस्टर-

- नगर पालिका परिषद लक्सर जनपद हरिद्वार में स्थित सभी का एक रजिस्टर बनाएगा, जिसमें सभी विवरण होंगे। जैसे कि स्वामी का नाम, GPS स्थान, OSS का प्रकार, आकार

और स्थिति, खाली करने की आवृत्ति आदि जैसा कि उत्तराखण्ड राज्य सेप्टेज प्रबंधन प्रोटोकॉल 2017 में उल्लिखित है। इसके लिए नगर पालिका परिषद लक्सर जनपद हरिद्वार सर्वेक्षण या अन्य तरीकों का उपयोग कर सकता है।

- सभी नए निर्माणों को शामिल करने के लिए OSS की रजिस्ट्री को अपडेट किया जाएगा।

5.2.2. OSS का उचित निर्माण और डिजाइन सुनिश्चित करना-

- नगर पालिका परिषद लक्सर जनपद हरिद्वार अपने अधिकार क्षेत्र में पंजीकृत नए निर्माणों को केवल तभी अनुमोदित करेगा जब OSS का निर्माण Is Code 2470 भाग-I - II और CPHEEO मैनुअल में निर्धारित मानकों के अनुसार है। यदि उल्लंघन है, नगर पालिका परिषद लक्सर जनपद हरिद्वार दोषपूर्ण निर्माण के मालिकों को नोटिस जारी करेगा।
- नगर पालिका परिषद लक्सर जनपद-हरिद्वार, जहां संभव हो OSS को डिजाइन निर्देशों के अनुरूप में लाने के लिए रेट्रो फिटिंग (Retrofitting) के लिए प्रोत्साहन प्रदान करेगा।

5.3. SMC के कर्तव्य और जिम्मेदारियाँ-

- SMC नगर पालिका परिषद लक्सर जनपद हरिद्वार को समय-समय पर निगरानी करने के लिए निर्देशित करेगा यह सुनिश्चित करने के लिए कि OSS का उचित रख रखाव हो।
- SMC समय-समय पर सभी FSSM से संबंधित गति विधियों की निगरानी करेगा जैसा कि उत्तराखण्ड राज्य सेप्टेज प्रबंधन प्रोटोकॉल 2017 में उल्लिखित है।

6- मल और सेप्टेज का खाली करवाना और परिवहन-

यह खंड हित धारकों के कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को रेखांकित करता है ताकि नगर पालिका परिषद लक्सर, जनपद हरिद्वार में स्थित OSS रोकथाम इकाइयों (Containment Unit) से मल और सेप्टेज FSS का उचित संग्रह/खाली करना हो सके तथा उपचार और सुरक्षित निपटान/पुनः उपयोग के लिए, इसका निर्धारित साइटों (Designated sites/treatment facility) तक सुरक्षित परिवहन हो सके।

6.1 FSS के संग्रह और परिवहन में नगर पालिका परिषद लक्सर जनपद हरिद्वार के कर्तव्य और जिम्मेदारियाँ-

6.1.1. डीस्लजिंग (Dislodging) और सेप्टेज परिवहन वाहनों का लाइसेंसिंग और पंजीकरण-

- नगर पालिका परिषद लक्सर जनपद हरिद्वार अपने अधिकार-क्षेत्र में उचित पंजीकरण/लाइसेंस/परमिट के बिना कोई भी डीस्लजिंग और सेप्टेज परिवहन ऑपरेटर को काम करने की अनुमति नहीं देगा। इसमें निजी-स्वामित्व के साथ-साथ सरकार के वाहन भी शामिल हैं (निकाय, जल संस्थान आदि)। इसके अलावा यह नगर पालिका परिषद लक्सर के बाहर से आने वाले वाहनों (दोनों निजी और सरकारी) पर लागू होता है।
- नगर पालिका परिषद लक्सर डीस्लजिंग और सेप्टेज परिवहन ऑपरेटर को अपने अधिकार-क्षेत्र में संचालित करने के लिए लाइसेंस/परमिट प्रदान करेगा। राज्य FSSM प्रोटोकॉल में उल्लिखित

और SMC द्वारा अधिसूचित अनिवार्य तकनीकी, प्रशासनिक और सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने वाले ऑपरेटरों को ही लाइसेंस/ परमिट दिए जाएंगे।

- नगर पालिका परिषद लक्सर के बाहर से आने वाले ऑपरेटरों को भी (दोनों निजी और अन्य ULB निकाय, जल संस्थान आदि के स्वामित्व वाले) अपने उद्भव के ULB (ULB of Origin) द्वारा लाइसेंस प्राप्त होना है। यदि उन्हें नगर पालिका परिषद लक्सर के भीतर संचालन की अनुमति प्राप्त करनी है। नगर पालिका परिषद लक्सर ऐसे वाहनों के प्रवेश की एक लॉग-बुक (Log Book) बनाए रखेगा। नगर पालिका परिषद लक्सर में इन वाहनों के संचालन की शर्तें SMC द्वारा उचित परामर्श प्रक्रिया के माध्यम से तय की जाएगी।
- नगर पालिका परिषद लक्सर यह सुनिश्चित करेगा कि ऑपरेटरों के लाइसेंस समय-समय पर नवीनीकृत किए जाए जैसा कि SMC द्वारा तय किया गया है। लाइसेंस का नवीनीकरण के लिए अनिवार्य तकनीकी, प्रशासनिक और सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करना आवश्यक है। (अनुसूची-1)
- सभी डीस्लजिंग और सेप्टेज परिवहन परिचालक, निजी या नगर पालिका परिषद लक्सर के स्वामित्व वाले, सेप्टेज के सुरक्षित संग्रहण और परिवहन के लिए निम्नलिखित नियम और शर्तों को पूरा करेंगे। ये शर्तें नगर पालिका परिषद लक्सर द्वारा डीस्लजिंग और सेप्टेज परिवहन संचालन के लिए लाइसेंस प्राप्त करने के लिए अनिवार्य हैं। इन प्रावधानों का उल्लंघन लाइसेंस रद्द करने के लिए उत्तरदायी होगा और उल्लंघन करने वाला ऑपरेटर निर्धारित दंड का भुगतान करने के लिए भी उत्तरदायी होगा।

अनुसूची-1

डीस्लजिंग और सेप्टेज परिवहन संचालन के लिए लाइसेंस प्रदान करने के लिए अनिवार्य शर्तें

तकनीकी आवश्यकताएं	हाँ	नहीं
OSS और मैन हॉल का पता लगाने के और मैन होल खोलने के लिए बेलचा, pry बार, स्कू ड्राइवर्स और अन्य हाथ उपकरण		
FSS पंपिंग और OSS में पानी मिलाने के लिए होज (Hose)		
टैंकर रिसाव-प्रूफ, गंध-प्रूफ और स्पिल-प्रूफ (leak-proof) (odour-proof and spill-proof) है और उचित सेक्शन और डिस्चार्ज उपकरण से उक्त है।		
टैंकर नगर पालिका परिषद लक्सर द्वारा ट्रैकिंग और निगरानी के लिए GPS से युक्त है।		
किसी भी औद्योगिक अपशिष्ट (Industrial Waste) के परिवहन के लिए टैंकर का उपयोग नहीं किया जाता है।		
प्रशासनिक आवश्यकताएं	हाँ	नहीं
वाहन के पास मोटर वाहन विभाग से पंजीकरण प्रमाण-पत्र है।		
वाहन के पास प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से वैध प्रमाण-पत्र है।		

वाहन के सभी नामित ड्राइवरो के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस है।		
डीसलाजिंग और सेप्टेज परिवहन के लिए नियुक्त सभी कर्मचारियों के पास पंजीकृत चिकित्सक या सरकारी अस्पताल से स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र है। (health certificate)		
डीसलाजिंग और सेप्टेज परिवहन वाहन को नीला रंग दिया गया है जिस पर सफेद रंग में Septic Tank Waste अंग्रेजी में और 'मल कुंड अपशिष्ट' हिन्दी में लिखा है और स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।		
सुरक्षा आवश्यकताएं	हाँ	नहीं
सभी कर्मचारी व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों (Personal Protective gear) से लैस है जैसे की हार्ड हैट और कपड़े जो परावर्तक और रासायनिक-स्प्लैश प्रतिरोधक (reflective and chemical splash resistant) है।		
फेसमास्क/रेसपी रेटर जो धूल, धुये, सूक्ष्म जीवों आदि से बचाता है।		
सुरक्षात्मक हाथ दस्ताने, जूते और सुरक्षा चश्मे (gloves, boot, safety, goggles) ।		
आपातकालीन प्राथमिक चिकित्सा किट (first aid kit) ।		
डिस इन्फेक्टेंट और स्पिल्ड सामग्रियों को इकठ्ठा करने और साफ करने के लिए बैग।		
अन्य सुरक्षा गियर जो लागू है।		
अन्य आवश्यकताएं	हाँ	नहीं
सभी कर्मचारियों/श्रमिकों को समय-समय पर प्रशिक्षण (वर्ष में कम से कम एक बार) प्रदान किया जाना है, (उपकरण के उचित उपयोग, स्लज के सुरक्षित संग्रह, परिवहन और निपटान का संचालन, और प्राथमिक चिकित्सा पर)		
सरकारी अस्पताल में कर्मचारियों की आवधिक स्वास्थ्य जांच (वर्ष में कम से कम एक बार) की गई है और सेप्टेज के संग्रह, परिवहन और निपटान में लगे सभी कर्मचारियों के फिटनेस प्रमाण-पत्र (fitness certificate) प्रस्तुत की गई।		

6.1.2. डीस्जलिंग और सेप्टेज परिवहन वाहनों की प्राप्ति की प्राप्तिकरण और कर्मचारियों की भर्ती-

- नगर पालिका परिषद लक्सर यह सुनिश्चित करेगा की अपने अधिकार-क्षेत्र FSS के संग्रह और परिवहन के लिए डीस्जलिंग और सेप्टेज परिवहन वाहन पर्याप्त संख्या में हो, या तो नगर पालिका परिषद लक्सर खुद वाहन प्राप्त करेगा अथवा टेंडर आमंत्रित करके निजी ऑपरेटरों का चयन कर सकता है।
- नगर पालिका परिषद लक्सर अपने वाहनों को चलाने के लिए केवल FSS की सुरक्षित संभालने में प्रशिक्षित और अनुभवी व्यक्तियों के ही नियुक्त करेगा।
- यदि नगर पालिका परिषद लक्सर निजी ऑपरेटरों की सेवाये टेंडर के माध्यम से ले रही है, अनुबंध प्रति वर्ष नवीनीकृत किया जाएगा। नवीनीकरण सशर्त है ऑपरेटर के निष्पादन पर

और उनके स्टेट FSSM प्रोटोकॉल में वर्णित और SMC द्वारा अधिसूचित इन वाहनों के लिए अनिवार्य आवश्यकताओं का अनुपालन पर अनुसूची-1 अनुसार लागू होंगे।

6.1.3. डीस्जलिंग ऑपरेटरों की निगरानी -

- नगर पालिका परिषद लक्सर यह सुनिश्चित करेगा किसी भी सेप्टेज परिवहन वाहन नगर पालिका परिषद लक्सर से एकत्र किया FSS केवल SMC द्वारा चिन्हित स्थलों (Site)/उपचार सुविधाओं (Treatment facilities) पर निस्तारण करेंगे।
- नगर पालिका परिषद लक्सर यह सुनिश्चित करेगा कि सभी सेप्टेज परिवहन टैंकर GPS सिस्टम से युक्त है, जिससे की उनकी ट्रैकिंग (Tracking) की जा सकती है।
- नगर पालिका परिषद लक्सर FSS के संग्रह, परिवहन और निपटान के लिए जॉब-कार्ड (Job-Card) पंजीकृत डीस्जलिंग ऑपरेटरों को प्रदान करेगा हर डीस्जलिंग ऑपरेशन को रिकार्ड बनाए रखने के लिए अनुसूची-2 अनुसार लागू होंगे।

अनुसूची-

जॉब कार्ड (Job-Card)

नगर पालिका परिषद लक्सर फिकल स्लज सेप्टेज के संग्रह, परिवहन और निपटान का रिकार्ड

जॉब-कार्ड (Job-Card)			
नगर पालिका परिषद लक्सर में फिकल स्लज और सेप्टेज के संग्रह, परिवहन और निपटान का रिकार्ड			
दिनांक:		समय:	
1- ऑनसाइट सेनिटेशन सिस्टम के स्वामी का विवरण			
नाम:		पता:	
संपर्क नंबर:		स्थापना का प्रकार:	
2- OSS सिस्टम का विवरण -			
निर्माण का वर्ष:		पिछली डीस्जलिंग (दिनांक):	
आउटलेट (outlet) मौजूद है (हाँ/नहीं):		यदि हा, तो इससे जुड़ा:	
कंटेन्मेंट (Containment) का आकार		परत (हाँ/नहीं):	दीवारें: तल:
कक्षाओं की संख्या:		प्रत्येक बाफिल वाल (baffle wall) में छिद्र की संख्या:	
आयाम (मीटर में):	लंबाई :	चौड़ाई :	गहराई:
	व्यास:	गहराई:	
GPS कोऑर्डिनेट	अक्षांश :	देशान्तर :	
संपत्ति के भीतर कंटेन्मेंट का स्थान:			

3- डीस्जलिंग (Desludging)		
FSS की मात्रा (क्यूबिक मीटर में):	डीस्जलिंग में समय घंटों में:	
यात्रा का लंबाई (कि०मी० में):	आने-जाने में समय (घंटों में):	
4- डीस्जलिंग सेवा प्रदाता का विवरण-		
ऑपरेटर का नाम:	वाहन नंबर:	पंजीकरण लाईसेंस नंबर:
5- हस्ताक्षर:		
इयूटी पर कर्मचारी :	ऑपरेटर:	स्वामी:
6- निर्दिष्ट साइट/उपचार केंद्र पर निपटान		
समय (hh:mm):	FSS की मात्रा (क्यूबिक मीटर में):	
सेप्टेज परिवहन कर्मचारियों के नाम:	STP/FSTP ऑपरेटर का नाम:	
7- हस्ताक्षर:		
इयूटी पर सेप्टेज परिवहन कर्मचारी:	वाहन मालिक :	
STP/FSTP ऑपरेटर:	ULB अधिकारी:	

- जॉब-कार्ड की एक प्रति OSS के मालिक को सौंप दी जाएगी, एक दूसरी प्रति निपटान स्थल पर, और तीसरी प्रति नगर पालिका परिषद लक्सर कार्यालय में जमा की जाएगी। इस जॉब कार्ड पर OSS के मालिक, डीस्जलिंग ऑपरेटर, ट्रीटमेंट यूनिट में प्लांट मैनेजर और नगर पालिका परिषद लक्सर के नोडल अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर किए जाने चाहिए।
- नगर पालिका परिषद लक्सर भुगतान का प्रमाण दिखाने के लिए OSS मालिकों को रसीदे प्रदान करेगा।
- नगर पालिका परिषद लक्सर इन विनियमों के उल्लंघन में पाए जाने वाले ऑपरेटरों पर Penalty/दंड अनुसूची-3 अनुसार लागू होंगे लगाएगा।

अनुसूची-3**जुर्माना/दंड**

क्र० सं०	कीर	संकेतिक जुर्माना (रु० में)
1	नाली/सड़क/खुले में अपशिष्ट जल का सीधा या असुरक्षित निर्वहन	1000/-
1.1	दूसरी बार उल्लंघन	5000/-
1.2	तीसरी बार उल्लंघन और आगे	10000/-
2.	OSS का अवैज्ञानिक डिजाइन और निर्माण	500/-

2.1	दूसरी बार उल्लंघन	1000/-
2.2	तीसरी बार उल्लंघन और आगे	1500/-
3.	बिना नगर पालिका परिषद लक्सर से पंजीकरण के और सेप्टेज परिवहन वाहनों का संचालन	5000/-
3.1	दूसरी बार उल्लंघन	8000/-
3.2	तीसरी बार उल्लंघन और आगे	10000/-
4.	ट्रैफिक नियमों में अनुशंसित वैध प्रमाणीकरण के बिना डीस्जलिंग और सेप्टेज परिवहन वाहनों का संचालन	1000/-
4.1.	दूसरी बार उल्लंघन	2000/-
4.2.	तीसरी बार उल्लंघन और आगे	3000/-
5.	आकस्मिक रिसाव को नियंत्रित करने में गैर-अनुपालन	1000/-
5.1	दूसरी बार उल्लंघन	3000/-
5.2	तीसरी बार उल्लंघन और आगे	
6.	FSTP/STP से अनुप चारित का निर्वहन	5000/-
6.1	दूसरी बार उल्लंघन	8000/-
6.2	तीसरी बार उल्लंघन और आगे	10000/-
7.	(नगर पालिका परिषद लक्सर) द्वारा सूचित किए गए स्थानों के अलावा अन्य स्थानों पर अनुप चारित FSS का निर्वहन	5000/-
7.1	दूसरी बार उल्लंघन	8000/-
7.2	तीसरी बार उल्लंघन और आगे	10000/-

- नगर पालिका परिषद लक्सर किसी भी ऑपरेटरों का लाईसेंस रद्द करेगा जो लाईसेंस नवीनीकृत करने में विफलता करे, या इन नियमों या मैनुअल स्कैवेंजर्स (हाथ से मैला उठाने वाले कर्मियों) के नियोजन का प्रतिषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम, 2013 के प्रावधानों का बार-बार उल्लंघन करे।

6.1.4. नगर पालिका परिषद लक्सर की अन्य जिम्मेदारिया-

नगर पालिका परिषद लक्सर निम्नलिखित जिम्मेदारिया भी निभाएगा:

- अपने अधिकार-क्षेत्र में समुदायिक/सार्वजनिक शौचालय को निर्दिष्ट अंतराल पर खाली करवाना या जब टैंक दो-तिहाई भरा हुआ हो, जो भी पहले हो।
- नगर पालिका परिषद लक्सर सीमा के भीतर स्थित भवनों का सर्वेक्षण और निरीक्षण करना और उन मालिकों या भवनों को नोटिस/जुर्माना जारी करना जो इस अधिनियम के अनुरूप नहीं हैं।
- नगर पालिका परिषद लक्सर डीस्जलिंग और सेप्टेज परिवहन परमिट के लिए अपनी वेबसाइट पर और प्रिन्ट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के माध्यम से आवेदन आमंत्रित करेगा।

- नगर पालिका परिषद लक्सर अपनी वेबसाईट और प्रिन्ट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया पर समय-समय पर लाईसेंस -प्राप्त पंजीकृत ऑपरेटरों की सूची को प्रकाशित करेगा।
- नगर पालिका परिषद लक्सर प्रत्येक डीस्जलिंग ऑपरेशन के बाद घरों से एकत्र किए जाने वाले फीडबैक फार्म प्रदान करेगा।
- नगर पालिका परिषद लक्सर App- आधारित/फोन कॉल/ आधारित डीस्जलिंग सेवाओं जैसे विकल्पों की खोज कर सकता है, जो नगर पालिका परिषद लक्सर को वास्तविक समय (Real-Time) के आधार पर डेटा बेस को अपडेट करने और उपभोक्ता फीड बैक (User Feedback) से अवगत कराने में मदद करे।
- शेड्यूल्ड डीस्जलिंग (Scheduled Dislodging) - अधिनियम की धारा 5.1.2 में वर्णित समय अवधि के अनुसार नगर पालिका परिषद लक्सर अपने अधिकार-क्षेत्र में स्थित OSS को खाली करने के लिए मासिक कार्यक्रम (Monthly Schedule) विकसित कर सकता है।

6.2. डीस्जलिंग और सेप्टेज परिवहन ऑपरेटरों के कर्तव्य एवं जिम्मेदारिया-

6.2.1. परमिट/लाईसेंस के लिए आवेदन और मानकों के अनुपालन-

जो भी व्यक्ति नगर पालिका परिषद लक्सर के अधिकार-क्षेत्र में FSS के संग्रह और परिवहन के लिए सेवाएँ प्रदान करना चाहता है, वह नगर पालिका परिषद लक्सर से अपेक्षित लाईसेंस के लिए आवेदन करेगा। (अनुसूची-4 देखें)

अनुसूची-4

सेप्टेज संग्रह, परिवहन और निपटान की लाईसेंस के लिए आवेदन पत्र

सेप्टेज संग्रह, परिवहन और निपटान की लाईसेंस के लिए आवेदन पत्र

सेप्टेज परिवहन वाहन का मालिक नोटरी कृत रु0 10 ई-स्टाम्प पर अपने कर्मचारियों की संख्या तथा उनके नाम, पिता का नाम, पता और शैक्षिक योग्यता का विवरण, उनके ड्राइविंग लाईसेंस के प्रति के साथ देंगे।

पंजीकरण शुल्क का भुगतान CASH/DD-No.....के माध्यम से किया गया है।

दिनांक:.....

बैंक का नाम:.....

मैं/हम इस बात का प्रमाणित करते हैं कि मेरे द्वारा दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान में यथार्थ है। मैं यह भी प्रमाणित करता हूँ कि 'फीकल स्लज और सेप्टेज प्रबंधन' अधिनियम (FSSM) अधिनियम (नगर पालिका परिषद लक्सर) 2021 पढ़ा और समझा है। मैं सहमत हूँ की यदि मेरे द्वारा दी गयी कोई भी जानकारी गलत पायी गई तो लाईसेंस के लिए आवेदन किसी भी समय रद्द करने के लिए उत्तरदायी होगा।

दिनांक:.....

सलग्न दस्तावेज की संख्या:.....

आवेदकों के हस्ताक्षर

- आवेदन देने से पहले, आवेदक यह सुनिश्चित करेगा कि उनके वाहन डीस्लजिंग और सेप्टेज परिवहन वाहनों के लिए SMC द्वारा अधिसूचित तकनीकी, प्रशासनिक, सुरक्षा और अन्य आवश्यकताओं को पूरा कर रहे हैं। इसमें यह सुनिश्चित करना शामिल होगा कि टैंकर पानी-तंग और रीसाव-प्रूफ (Water-tight and leak-proof tankers) हों, और यांत्रिक dislodging उपकरण (mechanical dislodging equipment) के साथ युक्त हों। इसके अतिरिक्त केवल FSS को सुरक्षित संभालने में प्रशिक्षित और अनुभवी व्यक्तियों को ही काम पर रखेंगे।
- ऑपरेटरों को लाईसेंस के लिए आवेदन के समय, और नवीनीकरण के समय, SMC द्वारा परिभाषित शुल्क का भुगतान करना होगा।
- लाईसेंस-प्राप्त/पंजीकृत ऑपरेटर समय-समय पर अपने लाईसेंस/परमिट के नवीनीकरण के लिए आवेदन करेंगे जैसा कि SMC द्वारा तय किए गए।

6.2.2. संचालन के मानदंडों के अनुपालन-

- ऑपरेटरों SMC द्वारा तय किए गए और नगर पालिका परिषद लक्सर द्वारा अधिसूचित किए गए संचालन के सभी मानदंडों का पालन करेगा (अनुसूची-5)।
- ऑपरेटर नगर पालिका परिषद लक्सर की सभी निगरानी आवश्यकताओं का अनुपालन करेंगे जैसा कि सेप्टेज संग्रह और परिवहन टैंकों पर GPS (GPS Tracking) ट्रैकिंग सक्षम करना।
- ऑपरेटर यह सुनिश्चित करेंगे कि एकत्र किए गए सेप्टेज को किसी भी जल निकाय या किसी भी अनधिकृत भूमि में नहीं डाला जाए।
- ऑपरेटर यह सुनिश्चित करेंगे कि सफाई के समय और निपटान के समय के बीच का अंतर 24 घंटे से अधिक नहीं होना चाहिए।

अनुसूची - 5

संचालन के नियम और शर्तें

संचालन के नियम और शर्तें

- 1- लाईसेंस धारी 'फीकल स्लज और सेप्टेज प्रबंधन (FSSM) अधिनियम नगर पालिका परिषद लक्सर, 2021' के प्रावधानों का अनुपालन करेगा।
- 2- लाईसेंस धारी सभी गति विधियों को इस तरह निष्पादित करेगा ताकि इस्सुइंग अथॉरिटी/SMC द्वारा जारी किए गए मानकों को प्राप्त कर सके।
- 3- लाईसेंस धारी सभी स्थानीय विधानों का अनुपालन करेगा, जो इस लाईसेंस के तहत की जा रही गति विधियों के लिए समय समय पर लागू हो सकते हैं।
- 4- लाईसेंस धारी निर्दिष्ट वाहनों को अच्छी और व्यावहारिक स्थिति में बनाए रखेगा ताकि किसी भी दुर्घटना को रोका जा सके।
- 5- लाईसेंस धारी केवल प्रशिक्षित कर्मियों को नियुक्त करेगा और ऐसे सभी कर्मियों को सुरक्षात्मक गियर प्रदान करेगा। कर्मियों को एक ऑन साइट रोकथाम इकाई

(Onsite containment unit) में प्रवेश करने और मैनुअल स्कैवेजिंग करने से प्रतिबंधित किया जाएगा। असाधारण स्थितियों में, यह केवल अपेक्षित सावधानियों, सुरक्षा उपकरणों और (नगर पालिका परिषद लक्सर) की अनुमति के साथ किया जा सकता है।

- 6- यह लाईसेंस किसी भी अन्य सामग्री या तरल पदार्थ या किसी भी प्रकार के औद्योगिक अपशिष्ट के संग्रह और परिवहन के लिए मान्य नहीं है।
- 7- इस्सुइंग अथॉरिटी/SMC/ULB इस लाईसेंस की शर्तों को बदलने या इस लाईसेंस की वैधता के दौरान समय समय पर आगे की शर्तों को लागू करने का अधिकार रखता है।
- 8- लाईसेंस धारी ऑपरेटर को नगर पालिका परिषद लक्सर द्वारा निर्देशित सेप्टेज के संग्रह, परिवहन और निपटान की पर्याप्त और सही रिकार्ड बनाए रखना है।
- 9- लाईसेंस धारी (नगर पालिका परिषद लक्सर) की सभी निगरानी आवश्यकताओं का पालन करेंगे जैसे कि ट्रैकर्स की जीओपीएस0 ट्रैकिंग (GPS Tracking) स्थापित करना। उसके एक्सेस राइट्स (Access Rights) अधिशासी अधिकारी (नगर पालिका परिषद लक्सर) द्वारा अधिसूचित एजेंसी को दिए जाएंगे ताकि वाहन को ट्रैक (Track) किया जा सके।
- 10- लाईसेंस धारी यह सुनिश्चित करेंगे की एकत्र किए गए सेप्टेज को केवल उन उपचार स्थलों पर ही ले जाया जाएगा जो (ULB/SMC) द्वारा निर्दिष्ट है।
- 11- FSS का परिवहन, सुरक्षा और दक्षता के लिए और व्यस्त सड़कों और पीक ट्रैफिक से बचने के लिए, पूर्व-निर्धारित मार्गों द्वारा किया जाएगा।
- 12- लाईसेंस धारी ऑपरेटर यह सुनिश्चित करेंगे कि एकत्र किए गए सेप्टेज को किसी भी जल निकाय या किसी भी अनधिकृत भूमि में नहीं डाल जाए।
- 13- लाईसेंस धारी लाईसेंस-प्राप्त गति विधियों के लिए SMC द्वारा निर्धारित की गई फीस और शुल्क लगाएगा।

6.2.3. अधिसूचित दरों के अनुसार फीस का निर्धारण-

ऑपरेटर यह सुनिश्चित करेंगे की वे डीस्लजिंग सेवाओं के लिए SMC द्वारा अधिसूचित दरों से अधिक शुल्क OSS मालिकों से नहीं लेंगे (अनुसूची-6)।

अनुसूची-6

नगर पालिका परिषद लक्सर मे डीस्लजिंग और सेप्टेज परिवहन सेवाओं के लिए उपभोक्ता शुल्क की सूची।

क्र० सं०	वर्ग	रुपये मे शुल्क (प्रति चक्कर 3.0 KL तक)	रुपये मे परिवहन शुल्क (प्रति चक्कर रुड़की STP तक)
1	Kuccha house/Hut	1500/-	1500/-
2	Tin Shed type house		
3	All other house (Pucca house)		
4	Shop		
5	All govt-/Private offices	2500/-	1500-
6	Bank		
7	Community Toilet/Public Toilet		
8	Restaurant		
9	Hotel/Guest House 01 to 10 Rooms		
10	Hotel/Guest House 11 to 20 Rooms		
11	Hotel/Guest House above 20 Rooms		
12	Dharamshala 01 to 25 Rooms		
13	Dharamshala above 25 Rooms		
14	Govt-School/College (up to 1000 Students)		
15	Govt-School/College (up to 1000 Students)		
16	Private-School/College (up to 1000 Students)		
17	Private-School/College (up to 1000 Students)		
18	2-Wheeler vehicle showroom (without service centre)		
19	2-Wheeler vehicle showroom (with service centre)		
20	4-Wheeler vehicle showroom (without service centre)		
21	4-Wheeler vehicle showroom (with service centre)		
22	Hostel 01 to 10 Rooms		

23	Hostel 11 to 20 Rooms		
24	Hostel 21 to 50 Rooms		
25	Hostel above 50 Rooms		
26	Marriage hall/Banquet hall		
27	Bar		
28	Govt-Hospital (up to 20 Beds)		
29	Govt-Hospital (above 20 Beds)		
30	Nursing home/Clinic (up to 20 Beds)		
31	Nursing home/Clinic (above 20 Beds)		
32	Pathological Lab		
33	Private Hospital (up to 20 Beds)		
34	Private Hospital (21-50 Beds)		
35	Private Hospital (above 50 Beds)		
36	Rice Mill/other mill		
37	Any other Type	2500/-	1500/-

6.2.4. दस्तावेजों का रख रखाव-

- ऑपरेटरों को यह सुनिश्चित करना होगा कि सेप्टेज संग्रह परिवहन और निपटान के लिए नगर पालिका परिषद लक्सर पालिका परिषद लक्सर द्वारा प्रदान किए गए जॉब-कार्ड के मालिक, ट्रीटमेंट यूनिट में प्लांट मैनेजर/ऑपरेटर, डीस्लजिंग ऑपरेटर और नगर पालिका परिषद लक्सर अधिशासी आशिकारी द्वारा हस्ताक्षर होंगे, पालिका परिषद लक्सर द्वारा प्रदान किये गए जॉब-कार्ड (job card) OSS के मालिक ट्रीटमेंट यूनिट में प्लांट मैनेजर/ऑपरेटर डीस्लजिंग ऑपरेटर और नगर पालिका परिषद लक्सर अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित होंगे और प्रतियां प्रत्येक को सौंपी जाएगी।
- ऑपरेटर यह सुनिश्चित करेंगे कि FSS के परिवहन के लिए उपयोग किए जाने वाले वाहन पर नगर पालिका परिषद लक्सर द्वारा जारी ऑपरेटर लाईसेंस की एक प्रति और मोटर वाहन पंजीकरण (Motor vehicle registration) को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा।

6.2.5. श्रमिकों की सुरक्षा और सेप्टेज परिवहन के दौरान सावधानियों का पालन-

- लाईसेंस-युक्त डीस्लजिंग ऑपरेटर FSS के केवल यांत्रिक संग्रह (Mechanical Dislodging) और परिवहन में सलग्न होंगे और 'मैन्युअल स्कैवेंजर्स' (हाथ से मैला उठाने वाले कर्मियों) के

नियोजन का प्रतिषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम 2013 के सभी नियमों का अनुपालन करेंगे।

- ऑपरेटर सभी कर्मचारी को SMC द्वारा निर्धारित अपेक्षित सुरक्षा गियर (Safety Gear) प्रदान करेंगे।
- ऑपरेटर यह सुनिश्चित करेंगे की FSS संग्रह और परिवहन में लगे सभी कर्मचारी पंजीकृत चिकित्सक या सरकारी अस्पताल से हर साल कम से कम एक बार स्वास्थ्य जांच करवाए और नगर पालिका परिषद लक्सर के रिकार्ड में जमा करे।
- ऑपरेटर अपने द्वारा नियोजित सेप्टेज के सफाई परिवहन और निपटान की प्रक्रिया के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं से संबंधित सभी व्यक्तियों का बीमा करेंगे।
- सेप्टेज के सफाई परिवहन और निपटान की प्रक्रिया के दौरान किसी भी व्यक्ति संपत्ति वाहन या पर्यावरण को होने वाली किसी भी नुकसान के लिए लाईसेंस युक्त डीस्लजिंग ऑपरेटर पूरी तरह से उत्तरदायी होंगे। ऑपरेटर ऐसे मामले में मुआवजे का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी होंगे जैसा कि नगर पालिका परिषद लक्सर/अदालत द्वारा अधिसूचित है।
- FSS के परिवहन के दौरान आकस्मिक रिसाव की स्थिति में ऑपरेटर तुरंत उसको नियंत्रित करने के लिए कार्यवाही करेगा पर्यावरणीय प्रभाव को कम करेगा और साफ सफाई की प्रक्रियाओं को पूरा करेगा। ऑपरेटर 24 घंटे में नगर पालिका परिषद लक्सर के संबंधित अधिकारियों को रिसाव और उसकी उपचरात्मक कार्यवाही के बारे में सूचित करेंगे। इन निर्देशों का पालन नहीं करने वाले लाईसेंस-युक्त ऑपरेटर रॉपर जुर्माना लगाया जायगा।

6.3. SMC के कर्तव्य और जिम्मेदारिया-

6.3.1. सेप्टेज के संग्रह और परिवहन के लिए उपभोक्ता शुल्क निर्धारित करना।

- सेप्टेज संग्रह और परिवहन के लिए उपभोक्ता शुल्क डीस्लजिंग संचालन के O & M की व्यय आवश्यकता (Operation- Maintenance Cost) पूरा करने के लिए प्रयुक्त होगा। SMC यह सुनिश्चित करेगा की उपभोक्ता शुल्क न्यूनतम रखा जाए। सभी दरों का निर्धारण हित धारकों के साथ उचित परामर्श प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके की उपभोक्ता (OSS के स्वामी) पर कोई अनुचित बोझ नहीं है या ऑपरेटरों या ULB को कोई अनुचित नुकसान नहीं होगा। और FSSM गतिविधियों को बिना किसी बाधा के पूरा किया जा सके।
- SMC ULB को निर्देश दे सकता सकता है कि उपभोक्ता शुल्क को संपत्ति कर (Property Tax) में शामिल करे।
- SMC यह भी निर्धारित करेगा कि उपयोग कर्ताओं से एकत्र उपयोगकर्ता शुल्क नगर पालिका परिषद लक्सर (सुविधा शुल्क) जल संस्थान (O & M शुल्क) और सेप्टेज ट्रांसपोर्टर (सेवा शुल्क) के बीच कैसे साझा किया जाएगा।
- SMC संबंधित हित धारकों की उचित परामर्श प्रक्रिया के माध्यम से समय समय पर इन दरों को संशोधित करेगा और उनको सूचित करेंगे।

6.3.2. लाईसेंसिंग शुल्क को निर्धारित करना-

- लाईसेंस देने के लिए आवेदन के प्रसंस्करण के लिए SMC एक मामूली आवेदन शुल्क निर्धारित करेगा। शुल्क का भुगतान चेक (Cheque) या डिमांड ड्राफ्ट (Demand Draft) द्वारा किया जा सकता है जो अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद लक्सर के नाम पर निम्नानुसार होगा।
- डीस्लजिंग और सेप्टेज परिवहन वाहन पंजीकरण वार्षिक शुल्क.
 - I. प्रारम्भिक पंजीकरण शुल्क ₹0 2000 प्रति वाहन।
 - II. पंजीकरण के नवीनकरण के लिए शुल्क ₹0 1000 प्रति वाहन।
- शुल्क संशोधन के अधीन होंगे (अवधि और दर SMC द्वारा तय किया जाएगा) सभी दरे उचित परामर्श प्रक्रिया के माध्यम से SMC द्वारा तय किया जाएगा और नगर पालिका परिषद लक्सर द्वारा अधिसूचित किया जाएगा।

6.3.3. निगरानी की गतिविधिया-

- SMC, आवश्यकता के अनुसार सेप्टेज परिवहन वाहनों के लिए निष्पादन मानकों (performance standards) को जारी करेगा।
- SMC नगर पालिका परिषद लक्सर में चलने वाले सेप्टेज परिवहन वाहनों के आवधिक निरीक्षण के लिए जिम्मेदार होगा कि वे निर्धारित मानकों के अनुसार काम कर रहे हैं या नहीं।
- यदि ऑपरेटर द्वारा उल्लंघन पाया जाता है तो SMC ULB को सुधसत्त्वक कार्यवाही करने का निर्देश देगा।
- SMC कोई भी ऑपरेटर द्वारा उल्लंघन के लिए दंड को परिभाषित करेगा।

6.3.4. शिकायत निवारण-

- SMC, FSSM सेवाओं से संबंधित शिकायतें OSS के मालिकों, डीस्लजिंग ऑपरेटरों और अन्य संबंधित व्यक्तियों से स्वीकार करेगी। यदि आवश्यक हो SMC अपील निकाय (Appellate Body) या शिकायत निवारण क्रिया विधि (Grievance Redressal Mechanism) बना सकते हैं।

7. मल और सेप्टेज (FSS) का उपचार और पुनरुपयोग / निपटान -**7.1. SMC के कर्तव्य और जिम्मेदारिया-****7.1.1. उपचार और निपटान स्थल को चिन्हित करना-**

- SMC (नगर पालिका परिषद लक्सर) से 20-25 कि०मी० के भीतर लाईसेंस धारी सेप्टेज परिवहन ऑपरेटरों द्वारा FSS के निपटान के लिए स्थान/उपचार केंद्र को चिन्हित करेगा और उसको अधिसूचित करेगा (STP Roorkee/STP Haridwar)।

7.2. डीस्लजिंग और सेप्टेज परिवहन ऑपरेटरों के कर्तव्य और जिम्मेदारियाँ-

- ऑपरेटर यह सुनिश्चित करेंगे कि नगर पालिका परिषद लक्सर से एकत्र किया गया FSS केवल SMC द्वारा अधिसूचित साइट या उपचार केंद्र में निपटाया जाएगा।
- डीस्लजिंग ऑपरेटर द्वारा औद्योगिक अपशिष्ट-युक्त FSS (FSS containing industrial waste) का परिवहन या निपटान नहीं किया जायगा।

7.3. उपचार केंद्र एजेंसी के कर्तव्य और जिम्मेदारियाँ-

- उपचार केंद्र के ऑपरेटर यह सुनिश्चित करेगा की निपटान के समय डीस्लजिंग ऑपरेटर के पास (नगर पालिका परिषद लक्सर) द्वारा जारी वैध लाईसेंस या परमिट है।
- उपचार केंद्र के प्रबंधक (Plant Manager) (नगर पालिका परिषद लक्सर) द्वारा जारी किए गए FSS के संग्रह, परिवहन और निपटान के रिकार्ड (Job Card) पर हस्ताक्षर करेगा जो निपटान के समय डीस्लजिंग ऑपरेटर द्वारा उत्पादित किया जाएगा।
- उपचार केंद्र के संचालक FSS के निपटान के लिए टीपिंग शुल्क (tipping fee) के लिए रसीद प्रदान करेंगे।
- उपचार केंद्र सेप्टेज के उपचार के लिए उपयुक्त तकनीक अपनाएगी। इसके अलावा उपचार के बाद निस्तारण किया स्लज और अपशिष्ट जल (sludge and waste water) को केन्द्रीय और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों द्वारा जारी मान दंडों का पालन करना चाहिए। समय-समय पर उपचारित अपशिष्टों का परीक्षण करना होगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके की वेडिसचार्ज मानकों (discharge criteria) के अनुरूप है।
- उपचार अंतिम उत्पाद (उपचारित अपशिष्ट जल और स्लज सहित) का अधिकतम पुनः उपयोग मानकों और मानदंडों के अनुसार सुनिश्चित करेगा। उपचारित अपशिष्ट जल का उद्योगों, बिजली सयंत्र, सिंचाई और बागवानी उद्देश्य से पुनः उपयोग किया जाएगा। उपचारित अपशिष्ट जल को विभिन्न पुनः उपयोग आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद ही नदी/जल में डाला जायगा।
- FSS के निपटान के लिए असाधारण परिस्थितियां यदि उपचार केंद्र के अधिक भार (overloading) या FSS की अवांछनीय गुणवत्ता (undesirable quality) के कारण उपचार केंद्र FSS को स्वीकार करने में असमर्थ है उपचार केंद्र संचालक को सेप्टेज परिवहन ऑपरेटर को अस्वीकृति का कारण लिखित में देना होगा संबंधित कर्मियों के हस्ताक्षर के साथ। इस स्थिति में, सेप्टेज परिवहन ऑपरेटर को सेप्टेज को SMC द्वारा निर्दिष्ट अन्य स्थान पर निपटान करना होगा।

7.4. नगर पालिका परिषद लक्सर के कर्तव्य और जिम्मेदारियां-

- नगर पालिका परिषद लक्सर, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, उत्तराखण्ड जल संस्थान और उत्तराखण्ड सरकार द्वारा निर्देशित किसी अन्य एजेंसी की सहायता से, मौजूदा या आगामी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स (STPs) में फीकल स्लज और सेप्टेज के सह-उपचार (Co-Treatment) की क्षमता की पहचान कर सकते हैं वैज्ञानिक तरीके से STP परिसर में सेप्टेज के उपचार और निपटान के लिए आवश्यक आधारीक संरचना तैयार कर सकते हैं।
- नगर पालिका परिषद लक्सर उपचारित FSS के पुनः उपयोग की संभावनाओं का पता लगाएगा। खाद के रूप में फिर से उपयोग के लिए इसे किसानों को वितरित किया जाएगा।

8. IEC गतिविधियां-

- नगर पालिका परिषद लक्सर FSSM के बारे में विभिन्न हित धारकों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए समय-समय पर निम्नलिखित IEC और क्षमता निर्माण (Capacity Building) गतिविधियों का कार्य करेगा।

- OSS मालिकों राज मिस्त्री आदि को वैज्ञानिक रूप से OSS का डीजाइन निर्माण तकनीक इसके आकार आदि के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए IEC को बढ़ावा देगा।
- FSSM में लगे कर्मचारियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित करना।
- सीवरों और सेप्टिक टैंकों की सफाई के लिए SOP (MoHUA 2018) के आधार पर सभी डीस्लजिंग ऑपरेटरों को नियमित प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

अनुबंध - 1

ऑन साइट स्वच्छता रोकथाम इकाई (Onsite Sanitation Containment Unit) का निर्माण विवरण

यह अनुबंध एक साधारण सेप्टिक टैंक के डीजाइन और निर्माण के विवरण की समझ देता है जो की फीकल स्लज और सेप्टेज प्रबंधन (FSSM) में उपयोग किये जाने वाले कई प्रकार के ऑनसाइट स्वच्छता रोकथाम इकाई में से एक है।

यहाँ दिए गए विवरण गृह और शहरी मामलों के मंत्रालय भारत सरकार (MoHUA) और केन्द्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण इंजीनियरिंग संगठन (CPHEEO) द्वारा "मैन्युअल ऑनसीवरेज एंड सीवेज ट्रीटमेंट सिस्टम्स" 2013 से तैयार किये गए हैं। (<http://cpheeo-gov-in/cms/manual&on&sewerage&and&sewage&treatment-php>)

इस मैन्युअल के भाग-1 अध्याय 9 का शीर्षक 'ऑन-साइट सैनिटेशन - सेप्टिक टैंक के निर्माण संचालन और रख रखाव के विवरण के लिए संदर्भित किया जा सकता है।

1- सेप्टिक टैंक क्या है-

सेप्टिक टैंक एक संयुक्त अवसादन और पाचन टैंक (combined sedimentation and digestion tank) है जहाँ सीवेज एक से दो दिनों के लिए आयोजित किया जाता है। यहाँ निलंबित ठोस टैंक के नीचे तक बस जाते हैं और एनारो बिक पाचन से गुजरते हैं। यह स्लज की मात्रा और जैव-निम्नकरणीय कार्बोनिक् पदार्थों में कमी के साथ-साथ कार्बन डाई ऑक्साईड, मीथेन और हाईड्रोजन सल्फाइड जैसी गैसों की रिहाई का कारण बनता है।

सेप्टिक टैंक से बहने वाले अपशिष्ट जल आगे के उपचार की आवश्यकता होती है और एक उचित सीवरेज सिस्टम में निपटान किया जाना चाहिए।

सेप्टिक टैंक केवल व्यक्तिगत घरों और छोटे समुदायों और संस्थानों के लिए अनुशंसित हैं, जिनकी आबादी 300 से अधिक नहीं है।

2- सेप्टिक टैंक का डीजाइन-

सेप्टिक टैंक को पर्याप्त मात्रा में डीजाइन किया जाना चाहिए और उचित इन लेट और आउटलेट की व्यवस्था होनी चाहिए। वे आमतौर पर आकार में आयताकार होते हैं और या तो एक सिंगल टैंक या एक डबल टैंक हो सकते हैं। जहाँ डबल टैंक होता है पहला कम्पोर्ट में आमतौर पर दूसरे के आकार से दोगुना होता है। तरल की गहराई 1-2 मीटर है और लम्बाई से चौड़ाई का अनुपात 2-3 से 1 है (चित्र 1 देखें)

सेप्टिक टैंक का मुख्य उद्देश्य यह है टॉयलेट अपशिष्ट का ठोस हिस्सा तल पर बस जाए और सतह पर मैल (Scum) जमा हो जाए। इन दो परतों (स्लज और मैल) (Sludge and Scum) के बीच के पर्याप्त अंतर होना चाहिए ताकि केवल सीवेज बहता है इसलिए सेप्टिक टैंक को टॉयलेट अपशिष्ट के लिए स्थिर स्थिति (Stilling conditions) प्रदान करने के लिए डीजाइन किया जाना चाहिए ताकि निलंबित ठोस वस्तु (suspended solid) को व्यवस्थित किया जा सके।

स्लज और मैल के संचय के लिए आवश्यक मात्रा की गणना करके टॉयलेट अपशिष्ट से सेप्टिक को 24 से 48 घंटे का अवधारण समय के लिए टैंक का डीजाइन किया जाना चाहिए।

सेप्टिक टैंक को नियमित रूप से खाली किया जाना चाहिए (1-3 वर्षों में एक बार)

व्यक्तिगत घरों (20 उपयोगकर्ताओं तक) और आवास कोलोनियों (300 उपयोगकर्ताओं तक) के लिए सेप्टिक टैंकों के अनुशंसित आकार क्रमशः टेबल 1 और 2 में नीचे दिए गए हैं।

टेबल 1:20 उपयोगकर्ताओं तक सेप्टिक टैंक के अनुशंसित आकार

उपयोगकर्ताओं की संख्या	लम्बाई (M)	चौड़ाई (M)	सफाई अन्तराल के सम्बन्ध में तरल गहराई (M)	
			साल 2	3 साल
5	1.5	0.75	1.0	1.05
10	2.0	0.90	1.0	1.40
15	2.0	0.90	1.3	2.00
20	2.0	1.10	1.3	1.80

नोट: A) यहाँ सिफारिस की गयी क्षमताये इस धारणा पर है कि सेप्टिक टैंक में केवल शौचालय

B) सेप्टिक टैंक के डीजाइन में कम से कम 300 MM का एक फ्री बोर्ड (Freeboard) शामिल होना चाहिए।

C) सेप्टिक टैंक का आकार IS:2470 (Part 1) से अनुमानित पीक डिस्चार्ज की मान्यताओं पर आधारित है और सेप्टिक टैंक के आकार का चयन करते समय सटीक गणना की जाएगी।

Table A-2 रु० 300 उपयोग कर्ताओं तक की आवासीय कॉलोनी के लिए, सेप्टिक टैंक का अनुशंसित आकार .

उपयोग कर्ताओं की संख्या	लम्बाई (म)	चौड़ाई (म)	सफाई अन्तराल के सम्बन्ध में तरल गहराई (म)	
			साल 2	3 साल
50	5.0	2.00	1.0	1.24
100	7.5	2.65	1.0	1.24
150	10.0	3.00	1.0	1.24
200	12.0	3.30	1.0	1.24
300	15.0	4.00	1.0	1.24

नोट A) : सेप्टिक टैंक के डीजाइन में कम से कम 300 MM का एक फ्री बोर्ड Free Board शामिल होना चाहिए.

B) सेप्टिक टैंक का आकार IS:2470 (Part 1) से अनुमानित पीक डिस्चार्ज की मान्यताओं पर आधारित है और और सेप्टिक टैंक के आकार का चयन करते समय सटीक गणना की जाएगी.

CC) 100 से अधिक की आबादी के लिए टैंक को रख रखाव और सफाई के लिए स्वतंत्र समानान्त रक्षकों में विभाजित किया जा सकता है.

3) निर्माण विवरण -

सेप्टिक टैंकों का निर्माण करते करते समय निम्नलिखित विवरणों को ध्यान में रखा जाना चाहिए.

- सेप्टिक टैंकों का निर्माण ईंट के काम पत्थर की चिनाईया कंक्रीट के इन-सीटू या प्री - कास्ट सामग्रियों में किया जा सकता है. एस्बेस्टस सीमेंट / एच डी पी ई (HDPE) जैसी सामग्रियों से बने प्री - कास्ट टैंक का भी इस्तेमाल किया जा सकता है बशर्ते वेपन रोक हों और स्थिर धरती (static earth) और सुपर इम्पोज्ड लोड (superimposed loads) को सँभालने और स्थापित करने में पर्याप्त ताकत रखते हों.
- सभी सेप्टिक टैंक पर्याप्त शक्ति के पन रोक कवर के साथ प्रदान किये जायेंगे. टैंक के निरीक्षण और खाली करने के लिए पर्याप्त एक्सेसमेन होल (न्यूनतम दो, अधिक लम्बी दिशा की विपरीत छोरों पर एक-एक) भी प्रदान किये जायेंगे.
- टैंक का फर्श सीमेंट कंक्रीट का होना चाहिए और स्लज आउटलेट की ओर ढलान वाला होना चाहिए. सतहों को चिकना करने और उन्हें पन रोक करने के लिए फर्श और साइड की दीवार दोनों को सीमेंट मोर्टार से प्लास्टर किया जायेगा .

- टैंक के इन लेट और आउट लेट को एक - दूसरे से यथासंभव दूर और विभिन्न स्तरों पर स्थित होना चाहिए। इसके आलावा, उन्हें उन स्तरों पर स्थित नहीं होना चाहिए जहाँ स्लज या मैल (Sludge or scum) का निर्माण होता है।
- आउट लेट पाईप के इन्वर्ट को इन लेट पाईप के स्तर से 5 - 7 CM के नीचे रखा जाना चाहिए।
- इनलेट और आउटलेट दोनों पर बाफल उपलब्ध कराया जाना चाहिए और 25 cm से 30 cm तरल में डूबना चाहिए और तरल से 15 cm ऊपर रहना चाहिए। बफल्स को सीधे इनलेट पाईप के मुहं से टैंक की लम्बाई के एक - पांचवे हिस्से की दूरी पर रखा जाना चाहिए।
- बड़ी क्षमताओं के लिए इन लेट से टैंक की लम्बाई की दो - तिहाई की दूरी पर विभाजन - दीवार के साथ निर्मित दो - कम्पार्टमेंट टैंक उचित होगा। ये दो कम्पार्ट में टैंको स्लज भण्डारण स्तर से ऊपर परस्पर जुड़ा होना चाहिए पाईप या चौकोर उद्घाटन के माध्यम से जिसका व्यास या साईड लम्बाई 75 cm से कम नहीं है।
- प्रत्येक सेप्टिक टैंक को वेंटिलेशन पाईप के साथ प्रदान किया जाना चाहिए शीर्ष एक उपयुक्त मच्छर प्रूफ वायर मेष के साथ कवर किया जा रहा है। पाईप की ऊँचाई 20 मीटर के दायरे में उचिततम ईमारत के शीर्ष से कम से कम 2 मीटर ऊपर होनी चाहिए।

सुरेन्द्र कुमार,
अधिसासी अधिकारी,
नगर पालिका परिषद् लक्सर,
जनपद हरिद्वार।

अम्बरीश गर्ग,
अध्यक्ष,
नगर पालिका परिषद् लक्सर,
हरिद्वार-जनपद।